संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
7 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 195
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

कांग्रेस का दुष्प्रचार बेनकाब, श्रमिकों और गांवों के विकास के लिए वीबी-जी रामजी योजना ऐतिहासिक कदम : मोहन लाल बड़ौली

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

मुख्यमंत्री ने एआई आधारित हरियाणा बजट जनभागीदारी पोर्टल का किया शुभारंभ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन 2047 के मद्देनजर गुरुग्राम में आयोजित प्री बजट सेशन के दौरान एआई आधारित हरियाणा बजट जनभागीदारी पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को राज्य के बजट निर्माण प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से सहभागी बनने का अवसर मिलेगा। पोर्टल पर हरियाणवी, हिंदी तथा अंग्रेजी तीनों भाषाओं में अपने सुझाव दिए जा सकते हैं, जिससे समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म हमारी पारदर्शिता, नागरिक सहभागिता तथा सहभागी शासन की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक, विशेषज्ञ और हितधारक सीधे सरकार से जुड़ सकेंगे। अपने व्यावहारिक सुझाव साझा कर सकेंगे और बजट निर्माण की प्रक्रिया को अधिक खुला, निरंतर और संवाद से परिपूर्ण बना सकेंगे।

इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एसआईआर के बाद मसौदा मतदाता सूची जारी, दो करोड़ 89 लाख नाम कटे

लखनऊ- उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया के बाद मंगलवार को मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी गयी, जिसमें 12 करोड़ 55 लाख मतदाता शामिल हैं। यह आंकड़ा पूर्व की संख्या 15.44 करोड़ से लगभग दो करोड़ 89 लाख कम है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने मंगलवार को बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया के बाद मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इसमें 12 करोड़ 55 लाख 56 हजार 25 मतदाता शामिल हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर की मतदाता सूची में 15 करोड़ 44 लाख 30 हजार 92 मतदाता थे। मसौदा सूची में लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं को गिनती के दौरान शामिल नहीं किया जा सका है। अब मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां छह जनवरी से छह फरवरी तक दर्ज कराई जा सकेंगी। इस दौरान लोग सूची में नाम शामिल करने, सुधार करने या आपत्ति करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। रिणवा ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि 46.23 लाख मतदाता (2.99 प्रतिशत) मृत पाए गए, जबकि 2.57 करोड़ मतदाता (14.06 प्रतिशत) या तो स्थायी रूप से बाहर चले गए थे या प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान मौजूद नहीं थे।

विकसित भारत-2047 का ग्रोथ इंजन बनेगा हरियाणा — मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में हरियाणा विजन-2047 के मद्देनजर बजट पूर्व कार्यशाला में रखे विचार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विकसित भारत-2047 का ग्रोथ इंजन साबित होगा। हरियाणा का योगदान देश हित में उपयोगी रहे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। व्यापक परामर्श, गहन अध्ययन व विशेषज्ञों की सहभागिता से हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2047 बनाया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हरियाणा विजन-2047 के मद्देनजर आयोजित बजट पूर्व कार्यशाला में अपने विचार रख रहे थे।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा विजन 2047 रोडमैप के ध्येय के साथ वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए इंडस्ट्री, हेल्थ, आईटी तथा एजुकेशन सेक्टर से संबंधित हितधारकों के साथ आयोजित बजट पूर्व परामर्श बैठक (प्री बजट कंसल्टेशन) में हर पहलू पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उद्योग जगत एवं मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट के लिए अपने सुझाव रखे। बैठक में प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विकासात्मक परिवर्तन अब नजर आ रहा — मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 11 साल में बड़ा विकासात्मक परिवर्तन नजर आया है। सकारात्मक बदलाव के साथ सर्वांगीण विकास की दिशा में सरकार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर का गठन किया है जो उभरते हुए वैश्विक परिवर्तन में कारगर रहेगा। ज्ञान व दूरदृष्टि सोच के साथ इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

छः रणनीतिक थीमों पर आधारित विकास का तैयार हुआ रोडमैप

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय योजनाओं को स्पष्ट विजन से जोड़ना होगा और गतिविधियों से अधिक परिणाम पर ध्यान देना होगा। नागरिकों के जीवन में सार्थक सुधार लाना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इसी सार्थक सोच के परिणामस्वरूप हरियाणा सरकार छः स्तम्भों पर केंद्रित हो विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सहभागिता निभाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट–2047 को छः रणनीतिक थीम पर आधारित कर तैयार किया गया है। इनमें वित्त एवं सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता, स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि, खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण, बुनियादी ढांचा विकास तथा क्षेत्रीय विकास एवं स्थानीय स्वशासन पर आधारित परियोजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2026–27 का बजट भी इन सभी थीमों के साथ पूरी तरह सामंजस्यपूर्ण रहेगा।

प्री-बजट मंथन में वरिष्ठ अधिकारियों ने दी थीम आधारित प्रेजेंटेशन

हरियाणा विज़न 2047 रोडमैप के अंतर्गत आयोजित प्री-बजट मंथन कार्यशाला में राज्य को वर्ष 2047 तक विकसित, समावेशी एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभिन्न थीम स्पॉटलाइट्स पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित प्रस्तुति हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल द्वारा दी गई। शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार योग्यता विषय पर उच्चतर एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग ने अपने विचार रखे। इसके साथ ही क्षेत्रीय विकास एवं स्थानीय स्वशासन विषय पर अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह ने जानकारी दी।

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 280 से अधिक उड़ानों में देरी

नयी दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी और देश के दूसरे हिस्सों में मंगलवार सुबह घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 280 से अधिक उड़ानों में देरी की सूचना है और कुछ उड़ानें रद्द हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह चार बजे के बाद दृश्यता घटने लगी और 150 मीटर तक गिर गयी। चार बजे के बाद से ही कैट-3 प्रक्रिया के तहत उपकरण की मदद से परिचालन शुरू कर दिया गया। अमृतसर, भोपाल, चंडीगढ़, गुवाहाटी, वाराणसी, रांची, हिंडन (गाजियाबाद) और धर्मशाला में भी दृश्यता कम होने के कारण उड़ानों के परिचालन में देरी हो रही है। दिल्ली हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, आज दिल्ली से जाने वाली कम से कम 20 और दिल्ली आने वाली कम से कम 260 उड़ानों में देरी की सूचना है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या, 24 घंटे में दूसरी घटना

ढाका- बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और गंभीर घटना सामने आई है। नरसिंदी जिले के पलाश उपजिला स्थित चारसिंधुर बाजार में सोमवार देर रात किराना दुकानदार मोनी चक्रवर्ती की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। यह चौबीस घंटे के भीतर हिंदू समुदाय से जुड़े व्यक्ति की दूसरी हत्या है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, करीब चालीस वर्षीय मोनी चक्रवर्ती सोमवार रात करीब ग्यारह बजे अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर स्थानीय रूप से बने धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मोनी मौके पर

ही गिर पड़े। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत पलाश उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पलाश थाना प्रभारी शहीद अल मामुन ने बताया कि मोनी चक्रवर्ती शिबपुर उपजिला के साधरचर यूनियन निवासी मदन ठाकुर के पुत्र थे और वह लंबे समय से चारसिंधुर बाजार में किराने की दुकान चला रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नरसिंदी सदर अस्पताल भेज दिया है और हमलावरों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

बठिंडा में टारगेट किलिंग की वारदात टली; अरश डल्ला गैंग से जुड़े तीन व्यक्ति 4 पिस्तौलों समेत गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/बठिंडा- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान, काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) बठिंडा ने बठिंडा पुलिस के साथ तालमेल करके अरश डल्ला गैंग से जुड़े तीन आरोपियों को चार गैर-कानूनी पिस्तौलों समेत चार मैगजीन और 26 जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार करके समय पर कत्ल करने की एक वारदात को टाल दिया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बठिंडा के गिल पट्टी के निवासी कुलदीप सिंह, जो इस समय कनाडा में रह रहा है, बठिंडा के कोटशमीर का निवासी गुरविंदर सिंह और बठिंडा के गांव भोखरा के निवासी गगनदीप सिंह के रूप में हुई है। बरामद किए गए पिस्तौलों में एक ग्लॉक, एक ज़िगाना, एक .30 बोर का पिस्तौल और एक .32 बोर का पिस्तौल शामिल हैं। चार पिस्तौलों की बरामदगी के अलावा, पुलिस टीमों ने बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक हुंडई वरना कार भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वे अपराधिक गतिविधियों में कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी टारगेट किलिंग को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक कुलदीप सिंह हाल ही में योजनाबद्ध गोलीबारी को अंजाम देने के लिए विशेष तौर पर कनाडा से बठिंडा आया था।

सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट (एसएसपी) बठिंडा अमनीत कोंडल ने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चल रही अंतर-गैंग दुश्मनी में अपनी संलिप्तता के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि बठिंडा के पुलिस स्टेशन थर्मल में एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

ए.आई.जी. सी.आई. बठिंडा अवनीत कौर सिद्धू ने कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए कहा कि सी.आई. बठिंडा को विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता जानकारी मिली थी कि अरश डल्ला गैंग से जुड़े शूटर्स के पास गैर-कानूनी हथियार हैं और वे टारगेट किलिंग को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जानकारी पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, सी.आई. बठिंडा की टीम ने जिला पुलिस बठिंडा के साथ मिलकर गोनियाना रोड पर सुच्चा सिंह नगर के पास नाका लगाया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में, बठिंडा के थर्मल स्थित पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत एफआईआर नंबर 3 दिनांक 05.01.2026 के तहत केस दर्ज किया गया है।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह द्वारा निजी अस्पतालों को मुख्यमंत्री सेहत योजना में शामिल होने का न्योता; प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों ने गहरी रुचि दिखाई

पंजाब सरकार प्रति परिवार 10 लाख रुपये तक का मानक, पहुंचयोग्य एवं नकदी रहित स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध: डॉ. बलबीर सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुरूप पंजाब सरकार द्वारा जल्द लागू की जाने वाली 10 लाख रुपये की नकदी रहित स्वास्थ्य बीमा पहल के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज प्रमुख निजी अस्पतालों को मुख्यमंत्री सेहत योजना (एम.एम.एस.वाई.) के तहत सूचीबद्ध होकर पंजाब के लोगों को व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने संबंधी पंजाब सरकार के इस नेक प्रयास में शामिल होने का न्योता दिया।

स्वास्थ्य मंत्री, जिनके साथ प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एस.एच.ए.) संयम अग्रवाल भी मौजूद थे, यहां राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के कार्यालय में प्रमुख निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने प्रदेश के हर परिवार को मानक एवं नकदी रहित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने संबंधी पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। एम.एम.एस.वाई. के तहत प्रति परिवार 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आम आदमी के कंधों से चिकित्सा उपचार के वित्तीय बोझ को दूर करना है।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल इकोसिस्टम स्थापित करना है ताकि पंजाब का कोई भी निवासी धन की कमी के कारण उपचार से वंचित न रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सिहत योजना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है और इसकी सफलता के लिए निजी अस्पतालों की सक्रिय भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

इसबात पर जोर देते हुए कि निजी अस्पताल एम.एम.एस.वाई. के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण साझेदार हैं, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों से मिल रहा उत्साहजनक प्रतिक्रिया पंजाब भर में इस योजना की पहुंच को और मजबूत करेगा। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि इस योजना को पारदर्शिता एवं कार्य-कुशलता के नजरिए से पूरी सोच-विचार के बाद तैयार किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसका लाभ जमीनी स्तर पर पंजाब के हर निवासी तक पहुंचे। उन्होंने अस्पतालों से अपील की कि वे इस योजना के तहत सूचीबद्ध होने संबंधी औपचारिक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पंजाब के निवासियों को जल्द से जल्द इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो सके।

इस बैठक में मैक्स, फोर्टिस, शाल्बी एवं लिवासा अस्पताल समेत अन्य उच्च-स्तरीय निजी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया। इन अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने इस योजना में शामिल होने के लिए गहरी रुचि दिखाई तथा एक सहयोगी एवं जन-केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल मॉडल तैयार करने के लिए राज्य सरकार की सक्रिय पहल की सराहना की।

इस वार्ता सत्र के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह एवं राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के सी.ई.ओ. संयम अग्रवाल ने इन अस्पतालों के प्रतिनिधियों द्वारा उपचार पैकेजों, सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया एवं कैशलेस इंटरफेस के तकनीकी पहलुओं बारे उठाए गए विभिन्न सवालों के जवाब भी दिए।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में सम्पन्न हुई कल्याण समिति की बैठकें

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में दिनाँक 05 व 06 जनवरी, 2026 को कल्याण समिति की बैठकों का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता समिति के सभापति मोहन लाल ब्राक्टा द्वारा की गई। इन बैठकों में समिति सदस्य विनोद कुमार, राम कुमार, रीना कश्यप, लोकेन्द्र कुमार, चन्द्र शेखर, सुदर्शन सिंह बबलू, विनोद सुल्तानपुरी व अनुराधा राणा भी मौजूद रही। इन बैठकों में समिति ने अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम (स्ष्ठक्क) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक प्रदेश सरकार व वित्तीय वर्ष 2021-22 व 2022-23 में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न विभागों को आबंटित बजट/ व्यय के ब्यौरे से सम्बन्धित प्राप्त विभागीय उत्तरों पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता), हि0प्र0 सरकार का मौखिक साक्ष्य लिया। इसके अतिरिक्त समिति ने माह जनवरी, 2026 में प्रदेश से बाहर राज्यों के अध्ययन प्रवास पर जाने का भी निर्णय लिया।

08 जनवरी को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 08 जनवरी, 2026 को 11 के.वी. रवौण फीडर के तहत आने वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी सहायक अभियंता सोलन ने दी। सहायक अभियंता ने कहा कि 08 जनवरी, 2026 को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक डुंगा मोड़, ग्रीनवेली, देहूँघाट बाजार, आयुर्वैदिक अस्पताल, एल.आई.सी. ऑफिस, हाउसिंग बोर्ड फेस 1 और 2, एस.सी.ई.आर.टी रवौण, वशिष्ठ कॉलोनी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि खराब मौसम एवं अन्य कारणों से उपरोक्त तिथि तथा समय में बदलाव किया जा सकता है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

08 जनवरी को बिजली बंद

धर्मशाला । सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल नम्बर-2 धर्मशाला अभिषेक कटोच ने सूचित किया है कि 08 जनवरी 2026 से सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक 33 केवी गज-काला पुल लाइन पर मरम्मत के कार्य कारण 11 केवी सुधेड फीडर के क्षेत्र सुधेड, धार, मेला ग्राउंड क्षेत्र, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अपर धार और अन्य आसपास में जरूरी रख-रखाव के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी तथा उन्होंने जन साधारण से सहयोग की अपील भी की है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी द्वारा शिमला से जारी प्रेस वक्तव्य

शिमला। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है कि नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर तथ्यहीन बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमेंट के दाम सरकार द्वारा तय नहीं किए जाते हैं। सीमेंट का उत्पादन निजी कम्पनियों द्वारा किया जाता है और दाम कम्पीटिशन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। इस तथ्य से आम जन भी भली भांति परिचित हैं। प्रदेश सरकार ने सीमेंट पर लगने वाले टैक्स में किसी भी तरह की बढ़ौतरी नहीं की है जिससे कि सीमेंट के दामों में वृद्धि हो। उद्योग मंत्री और तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में सीमेंट के दाम वर्तमान दामों से 40 से 50 रुपये अधिक थे। वर्तमान सरकार ने लोगों को मंहगाई से राहत प्रदान करने के लिए निरन्तर कदम उठाए हैं। समाज के उपेक्षित तथा कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में सुर्खियां प्राप्त करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। आपदा प्रभावितों के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने विशेष राहत पैकेज लाया है, जिसके तहत नुकसान होने पर प्रदान की जाने वाली राहत राशि में कई गुना बढ़ौतरी की गई है। हर्षवर्धन चौहान और राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा से क्षतिग्रस्त लोगों के घर, दुकान और सार्वजनिक आधारभूत ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को बयान जारी करने से पहले तथ्यों की जांच करने का परामर्श देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता वास्तविकता से भली भांति परिचित है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को अपना ध्यान पीडीएनए की उस राशि पर केन्द्रित करना चाहिए जिसे केन्द्र सरकार ने अभी तक प्रदेश के लिए जारी नहीं किया है।

हिम परिवार पोर्टल हो रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से एकीकृतः मुख्यमंत्री

जन सेवाओं को प्रभावी एवं सुलभ बनाने में सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में हिमाचल बना देश का नंबर वन राज्यः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जन सेवाओं को सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग में हिमाचल प्रदेश देश का नंबर वन राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूर-दराज एवं जनजातीय क्षेत्रों में अधिकांश सरकारी सेवाएं आज कंप्यूटर माउस की एक क्लिक पर आम नागरिकों को उपलब्ध करवाई जा रही है, जो सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री सोमवार गत सायं सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ आईटी एंड ई-गवर्नेंस इन हिमाचल प्रदेश की सामान्य सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभाग द्वारा विकसित विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी आधारित एप्लीकेशन्स और सॉफ्टवेयर की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन्हें और अधिक नागरिक-हितैषी, सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विकसित 'हिम उपस्थिति' एप्लीकेशन की गहन समीक्षा की तथा इसे और अधिक दक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'हिम एक्सेस पोर्टल' में प्रदेश सरकार के सभी कर्मचारियों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा तथा सभी सरकारी कर्मचारियों को एक माह के भीतर इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने एसेट मैपिंग एप्लीकेशन का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से नागरिकों की संपत्ति से संबंधित संपूर्ण एवं नीवनतम विवरण उपलब्ध होगा, जिससे आधारभूत संरचना के विकास, प्रभावी नीति निर्माण और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिम सेवा पोर्टल में राजस्व सेवाओं की बेहतर और त्वरित आपूर्ति सुनिश्चित करने के उददेश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित दस्तावेज़ सत्यापन एवं प्रमाणीकरण प्रणाली को एकीकृत किया जा रहा है। यह प्रणाली राजस्व सेवाओं में प्रथम स्तर की जांच के रूप में कार्य करेगी, जिससे न केवल राजस्व अधिकारियों को सशक्त बनाया जा सकेगा बल्कि नागरिकों को भी अधिक सुगम और पारदर्शी सेवाएं प्राप्त होंगी। वर्तमान में राजस्व सेवाओं से जुड़ी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में आवेदनों का मैनुअल सत्यापन करना पड़ता है, जिससे अधिकारियों पर अत्यधिक कार्यभार बढ़ जाता है। दस्तावेज़ों में मामूली त्रुटियां, जैसे धुंधली फोटो या गलत प्रारूप, आवेदन निरस्त होने का कारण बनती हैं। इसके चलते अधिकारी अपना बहुमूल्य समय केवल प्रारंभिक जांच में व्यय करते हैं और नागरिकों को भी बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एआई आधारित यह प्रणाली दस्तावेज अपलोड के समय ही उनका स्वतः स्कैन कर लेगी और तुरंत पहचान कर लेगी कि दस्तावेज स्पष्ट हैं या नहीं, सही है या नहीं तथा कहीं कोई आवश्यक हस्ताक्षर या विवरण तो अनुपस्थित नहीं। इसके साथ ही आवेदन पत्र में भरी गई व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, जन्म तिथि और आधार संख्या को अपलोड किए गए दस्तावेज़ों में उपलब्ध विवरण से मिलान कर किसी भी प्रकार की विसंगति को चिन्हित किया जाएगा। यदि कोई कमी पाई जाती है तो आवेदक को आवेदन जमा करने से पहले ही तत्काल सूचना मिल जाएगी, जिससे वह उसी समय त्रुटि को सुधार सकेगा।

इस पहल से नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया के दौरान बेहतर अनुभव मिलेगा और अनावश्यक अस्वीकृति की आशंका समाप्त होगी। वहीं, राजस्व अधिकारियों को भी प्रशासनिक जांच की ज़िम्मेदारी से राहत मिलेगी और वे पात्रता तथा तथ्यों के वास्तविक सत्यापन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इससे आवेदनों का निस्तारण तेज़ होगा और अधिकारियों के पास पहुंचने वाले आवेदन लगभग स्वीकृति के लिए तैयार होंगे। उन्होंने हिम परिवार पोर्टल में पंचायत स्तर तक संपूर्ण मैपिंग सुनिश्चित करने, विभिन्न सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों के समावेश तथा इसे प्रदेश सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल में भूमि से संबंधित डाटा को भी सम्मिलित किया जाएगा, जिससे लक्षित लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और ब्लॉकचेन तकनीक को ई-गवर्नेंस में चरणबद्ध रूप से शामिल कर रही है। उन्होंने कहा कि एआई आधारित प्रणालियों से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, निर्णय प्रक्रिया को अधिक सटीक बनाने और शिकायत निवारण को तेज करने में मदद मिलेगी, जबकि ब्लॉकचेन तकनीक से डाटा सुरक्षा, पारदर्शिता और रिकॉर्ड प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक स्मार्ट, डिजिटल और भविष्य-उन्मुख हिमाचल प्रदेश का निर्माण करना है, जहां शासन व्यवस्था अधिक जवाबदेह, कुशल और नागरिक-केंद्रित हो।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लोक मित्र केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि ये केंद्र ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जन सेवाओं की रीढ़ हैं। उन्होंने लोक मित्र केंद्र धारकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर भी बल दिया, ताकि आम लोगों को बेहतर और निर्बाध सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (डीटीजी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल ने कहा कि डेलाइट के प्रमुख सरकारी सम्मेलन 'आरोहण-2025' में हिमाचल प्रदेश को अपनी दूरदर्शी डिजिटल शासन पहल 'हिम परिवार परियोजना' के लिए विशेष मान्यता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य ने रणनीतिक रूप से डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए एक भविष्य-उन्मुख, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था का निर्माण किया है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (डीटीजी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव के के पंत और श्याम भगत नेगी विभिन्न विभागों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' को शैक्षणिक भ्रमण पर किया रवाना

बच्चे प्रमुख शहरों, ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक स्थलों का करेंगे दौरा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज सुबह हिमाचल प्रदेश सचिवालय से मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के अंतर्गत राज्य के चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशंस (सीसीआई), सराहन, टूटीकंडी और मशोबरा में रहने वाले 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' को एक विशेष शैक्षणिक एवं अनुभवात्मक भ्रमण पर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी बच्चों से संवाद किया और उनसे भ्रमण का भरपूर आनंद लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्हें ज्ञान अर्जन और विभिन्न विषयों को जानने व समझने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। इस भ्रमण में प्रदेश के इन तीन बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे कुल 52 बच्चे भाग ले रहे हैं। यह भ्रमण कार्यक्रम 15 जनवरी, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसके दौरान बच्चे देश के विभिन्न प्रमुख शहरों और ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण करेंगे।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत राज्य सरकार इन बच्चों को केवल संरक्षण ही नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक अवसर भी प्रदान कर रही है। इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक संस्थानों से परिचित करवाना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चे चंडीगढ़-दिल्ली-आगरा-गोवा-चंडीगढ़ का भ्रमण करेंगे। इस दौरान बच्चों को विभिन्न आधुनिक परिवहन साधनों का अनुभव भी करवाया जाएगा, जिनमें वोल्वो बस, वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी, मेट्रो रेल सेवा, हवाई यात्रा, क्रूज यात्रा तथा हॉप-ऑन हॉप-ऑफ पर्यटन बस शामिल हैं।

दिल्ली भ्रमण के दौरान बच्चे लाल क़िला, क़ुतुब मीनार, इंडिया गेट, राजघाट, शक्ति स्थल, वीर भूमि, हुमायूं का मक़बरा, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, त्रिवेणी कला संगम तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। इसके अलावा वे आगरा में ताजमहल का भ्रमण किया जाएगा। गोवा प्रवास के दौरान बच्चे उत्तर गोवा के कलंगुट, फोर्ट अगुआड़ा, अंजुना बीच, डोना पाउला, भारतीय समुद्र विज्ञान संस्थान एवं क्रूज यात्रा, जबकि दक्षिण गोवा में चर्च, मंगेशी मंदिर, वार्का बीच, पणजी शहर और स्पाइस गार्डन का भ्रमण करेंगे। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक एवं अनुभवात्मक भ्रमण बच्चों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा, देश के प्रति समझ और सामाजिक चेतना विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा, सुविधा और देखभाल में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। मुख्यमंत्री पद की शपथ के उपरान्त ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला स्थित टूटीकडी स्थित बालिका आश्रम में जाकर राज्य के निराश्रित बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया। इन वर्गों के लिए क़ानून बनाने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बना। 28 फरवरी 2023 से 'मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना' के तहत 4000 अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया गया है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, जेब खर्च, करियर काउंसलिंग, देश-विदेश भ्रमण जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। स्टार्ट-अप आरम्भ करने के लिए 2 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा.(कर्नल) धनी राम शांडिल विधायक मोहन लाल ब्राक्टा, महापौर शिमला नगर निगम सुरेन्द्र चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्याम भगत नेगी, उपायुक्त अनुपम कश्यप, निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. पंकज ललित, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी और गणमान्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

उपमुख्य सचेतक ने गाहलियाँ में किया हिमाचल प्रदेश के पहले स्वचलित परीक्षण स्टेशन का निरीक्षण

● 9 करोड़ की लागत से बन रहा अत्याधुनिक एटीएस, वाहन फिटनेस जांच होगी तेज और पारदर्शी ● स्वचलित परीक्षण स्टेशन बनेगा रोजगार का नया केंद्र, युवाओं को मिलेगा घरद्वार रोजगार : केवल सिंह पठानियां

धर्मशाला। विधानसभा उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानियां ने आज मंगलवार को कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के गाहलियाँ में लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्वचलित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का निरीक्षण किया। यह स्वचलित परीक्षण स्टेशन लगभग 40 कनाल भूमि पर निर्मित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही माननीय मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू स्वचलित परीक्षण स्टेशन का विधिवत शुभारंभ करेंगे।

केवल सिंह पठानियां ने बताया कि हिमाचल प्रदेश का पहला स्वचलित परीक्षण स्टेशन है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा इस परियोजना की स्थापना में अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया गया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने और इसे समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वचलित परीक्षण स्टेशन के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को वाहनों की फिटनेस जांच में सुविधा मिलेगी और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। यह स्टेशन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा, जिससे वाहन जांच की प्रक्रिया सुरक्षित, त्वरित और भरोसेमंद बनेगी।

केवल सिंह पठानिया ने बताया एटीएस के बनने से एलएमवी और एचएमवी वाहनों की फिटनेस जांच के लिए अब किसी विशेष दिन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जिससे वाहन मालिकों का व्यवसाय निर्बाध रूप से चलता रहेगा। एटीएस में वाहन की रिपोर्टिंग से लेकर जांच पूर्ण कर बाहर निकलने तक की पूरी प्रक्रिया 20 मिनट से भी कम समय में पूरी होगी। यहां वाहन मालिकों एवं ऑपरेटरों के लिए एक सुसज्जित प्रतीक्षा लाउंज की भी सुविधा उपलब्ध होगी। वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र ऑनलाइन वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वचलित परीक्षण स्टेशन के स्थापित होने से क्षेत्र के आसपास के युवाओं को घर-द्वार रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर आरटीओ मनीष सोनी, स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वचलित परीक्षण स्टेशन के अधिकारी व अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

टांडा मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षुओं के लिए 5 करोड़ रुपये से बनेगा छात्रावास : आरएस बाली

टांडा मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का शुभारम्भ होना बड़ी उपलब्धि : आरएस बाली

कांगड़ा (टांडा)। विकास पुरुष स्वर्गीय जीएस बाली का टांडा मेडिकल कालेज में नर्सिंग कॉलेज शुरू होने का सपना आज सच हुआ टांडा मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग का प्रथम बैच शुरू हो चुका है इसके लिए आप सभी को बधाई यह उद्गार हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आर.एस. बाली ने मेडिकल कॉलेज टांडा के डी.सी.सी कॉन्क्सस 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे।

यहां पहुंचने पर मुख्य अतिथि का प्रधानाचार्य डॉक्टर मिलाप शर्मा, अन्य डॉक्टर और प्रशिक्षु डॉक्टरों ने पुष्प देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। प्रशिक्षु डॉक्टरों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मनोरंजन किया।

रैत में 5 करोड़ से बनेगा श्री राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल भवन : केवल सिंह पठानिया

एफडीआर तकनीक से निर्माणाधीन रैत-झीरबल्ला सड़क कार्य का किया निरीक्षण

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के रैत में प्रस्तावित श्री राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल भवन का निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ किया जाएगा, जिस पर कुल 5 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जाएगी। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज निर्माण स्थल के निरीक्षण के उपरांत दी। विधायक केवल सिंह पठानिया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी शैक्षणिक परियोजना के लिए 1.50 करोड़ रुपये की प्रथम किशत जारी कर दी गई है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो तथा इसे निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

इससे पूर्व विधायक केवल सिंह पठानिया ने 7.35 करोड़ रुपये की लागत से एफडीआर तकनीक के माध्यम से निर्मित की जा रही रैतङ्गझीरबल्ला सड़क के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा के दौरान सड़क को कोई नुकसान न पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा निर्माणाधीन सड़क को लेकर उनके सुझाव प्राप्त किए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग विकास सूद, अधीक्षण अभियंता बी.एस. ठाकुर, अधिशासी अभियंता नीरज जसवाल, प्रधानाचार्य रैत शमशेर भारती, पंकज बलौरिया, मुकेश मन्हास, वीरेन्द्र, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, एचआरटीसी बीओडी निदेशक विवेक राणा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एचपीएसइबीएल में डिजिटल सुधारों से राज्य को 16.83 करोड़ रुपये की बचतः मुख्यमंत्री

बिलिंग एवं ईआरपी सेवाओं पर खर्च में 46 प्रतिशत कमी, 29 लाख उपभोक्ता होंगे डिजिटल सेवाओं से लाभान्वित

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य विद्युत् बोर्ड लिमेटिड (एचपीएसइबीएल) में कई डिजिटल और प्रशासनिक सुधार किए गए हैं जो राज्य सरकार की व्यवस्था परिवर्तन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रदेश सरकार पारदर्शी ख़रीद प्रक्रिया, तकनीकी आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देकर न केवल उपभोक्ता सेवाओं में सुधार कर रही है बल्कि वित्तीय अनुशासन की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल पुरानी व्यवस्थाओं में सुधार, बल्कि इन्हें और अधिक प्रभावशाली बनाना है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी ख़रीद प्रक्रिया अपनाने और मंहगी आउटसोर्सिंग पर निर्भरता कम करने से एचपीएसइबीएल के बिजली बिलिंग और एंटरप्राइज रिर्सोस प्लानिंग (इआरपी) सहायता सेवाओं पर होने वाला खर्च 46 प्रतिशत तक कम हुआ है। इन सेवाओं पर वार्षिक खर्च 12.29 करोड़ रुपये से घटकर 6.68 करोड़ रुपये रह गया है।

इन सुधारों से प्रतिवर्ष लगभग 5.61 करोड़ रुपये की सीधी बचत होगी, जिससे तीन वर्षों में कुल 16.83 करोड़ रुपये का लाभ होगा। इस राशि का उपयोग जन कल्याणकारी कार्यों और आवश्यक सेवाओं को सुदृढ़ करने में किया जाएगा। इज़ ऑफ लिविंग पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एचपीएसइबीएल का डिजिटलीकरण राज्य के लगभग 29 लाख घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि नए बिजली कनैक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन, स्मार्ट बिलिंग, प्रीपेड सेवाएं, ऑनलाइन बिल भुगतान और डिजिटल शिकायत निवारण जैसी सुविधाओं से प्रक्रियागत देरी कम हुई है और उपभोक्ताओं को पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ता सेवाओं को सशक्त बनाने और कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए एचपीएसइबीएल में एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एग्रीगेट टेक्नीकल और कमर्शियल (एटीएंडसी) हानि को कम करने, स्मार्ट और प्रीपेड मीट्रिंग के माध्यम से समय पर बिलिंग और राजस्व वसूली सुनिश्चित करने, राजस्व घाटा कम करने तथा परिचालन व्यय के युक्तिकरण पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर बिजली ख़रीद योजना, डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया और बिज़नेस इंटेलीजेंस (बीआई) जैसे आधुनिक तकनीकी प्लेटफोर्म के एकीकरण से बोर्ड की वित्तीय स्थिरता और अधिक मजबूत होगी तथा प्रदेश में निर्बाध और गणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर मनीमाजरा में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने आयोजित किया विशाल लंगर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सिख धर्म के दसवें गुरु, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर चंडीगढ़ कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा मनीमाजरा में विशाल लंगर सेवा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी, चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लकी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ चौधरी, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग इरफान अंसारी, जिला अध्यक्ष सुरजीत ढिल्लो, संजीव गाबा, मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद परवेज़, साहिल अल्वी, अकरम खान, मोहम्मद उस्मान,उस्मान खान, जुले खान, एडवोकेट जीशान,जाकिर खान, मौलवी अकरम सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने लंगर सेवा में सहभागिता की।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष श्री मोहम्मद आसिफ चौधरी ने कहा, "सिख धर्म केवल एक मजहब नहीं, बल्कि इंसानियत, त्याग और इंसाफ़ का मजबूत पैग़ाम है। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने जुल्म के खिलाफ खड़े होकर समाज को बराबरी और साहस का रास्ता दिखाया। लंगर की परंपरा हमें सिखाती है कि भूख मजहब और जाति नहीं देखती। हम सिख–मुस्लिम भाईचारे की इस ऐतिहासिक विरासत को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

यह आयोजन धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का सशक्त उदाहरण रहा।

हरदीप कौर 'साहित्यकारा किरण बेदी अवार्ड' से सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाबी साहित्य और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में सक्रिय लेखिका एवं पत्रकार हरदीप कौर को उनकी निरंतर साहित्यिक गतिविधियों, समाज से जुड़ी सशक्त लेखनी और विशेष योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सथ, चंडीगढ़ द्वारा 'साहित्यकारा किरण बेदी अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि हरदीप कौर की चर्चित पुस्तक 'श्मशान घाट सौं गया' को पहले ही पंजाबी साहित्य जगत में विशेष पहचान मिल चुकी है। इस पुस्तक का विमोचन पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा किया गया था, जिसे साहित्यिक क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा गया।

यह सम्मान समारोह 4 जनवरी को पंजाब कला भवन, सेक्टर-16, चंडीगढ़ में आयोजित तीसरे राज्य स्तरीय कवि दरबार एवं प्रथम काव्य संग्रह 'तेरी रहमत' के लोकार्पण समारोह के दौरान संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्यिक सौहार्द, विचार-विमर्श और रचनात्मक गतिविधियों का विशेष माहौल बना रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि हरभजन सिंह भगर्थ, अध्यक्ष विश्व साहित्यिक सितारे मंच (रजि.), तरनतारन रहे। जबकि विशेष अतिथियों में बाबू राम दीवाना, अध्यक्ष साहित्य कला संस्कृति मंच (रजि.), मोहाली तथा प्रिंसिपल बहादर सिंह गोसल, अध्यक्ष विश्व पंजाबी प्रचार सभा, चंडीगढ़ शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत शब्द गायन से हुई। इसके उपरांत पंजाब एवं दिल्ली के विभिन्न जिलों से आए कवियों और कवयित्रियों ने अपनी-अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। वक्ताओं ने कहा कि हरदीप कौर की लेखनी समाज के हाशिये पर खड़े मुद्दों को मुखर आवाज़ देती है और उनकी पुस्तक 'श्मशान घाट सौंगियाँ' इसका सशक्त उदाहरण है।

पंजाब में खेल संस्कृति को प्रफुल्लित करने के लिए जल्द तैयार होंगे 3100 खेल मैदान: हरजोत सिंह बैंस

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/लुधियाना(ब्यूरो)। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा आज लुधियाना के गुरु नानक स्टेडियम में 69वीं नेशनल स्कूल खेलों का औपचारिक उद्घाटन किया गया। 16 जनवरी तक चलने वाली इन खेलों में केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और विद्या भारती स्कूलों सहित सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों तथा अन्य शिक्षा संस्थाओं के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

शिक्षा मंत्री बैंस ने कहा कि इन खेलों के दौरान जूडो अंडर-14 (लड़के एवं लड़कियां), ताइक्वांडो अंडर-14 (लड़कियां) तथा गतका अंडर-19 (लड़के एवं लड़कियां) के रोमांचक मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि ये खेल मुकाबले स्थानीय बी.सी.एम. आर्या मॉडल सीनियर सेकंडरी स्कूल, शास्त्री नगर, सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल पी.ए.यू., लुधियाना तथा ओपन एयर थिएटर पी.ए.यू., लुधियाना सहित विभिन्न स्थानों पर करवाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पंजाब के साथ लुधियाना शहर के लिए भी यह बड़ी गौरव की बात है जहां 69वीं नेशनल खेलों के आयोजन का अवसर मिला है जिसमें पूरे पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, आंध्र प्रदेश, नॉर्थ ईस्ट से 1000 से अधिक खिलाड़ी तथा 350 से अधिक कोच पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि ठंड होने के बावजूद प्रशासन द्वारा पहले से ही पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं जिनमें खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन, परिवहन, सुरक्षा के लिए पी.सी.आर. टीमें तैनात करना, खेल मैदानों में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाना आदि शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार खेल आधारभूत संरचना के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है जिसके तहत

विभिन्न गांवों एवं शहरों में 3100 खेल मैदानों का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, अर्थात आने वाले समय में पंजाब के हर गांव में खेल स्टेडियम होगा।

प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाने के लिए, उन्होंने आगे बताया कि खेल नर्सरियों में बड़े स्तर पर बॉक्सिंग, हॉकी, कबड्डी तथा अन्य विभिन्न खेलों के लिए कोचों की भर्ती की जा रही है तथा खिलाड़ियों की डाइट में भी वृद्धि की गई है।

उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा खेल नीति बनाई गई है जिसमें पहली बार ऐसा हुआ है कि जब किसी खिलाड़ी का एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड चैंपियनशिप तथा ओलंपिक के लिए चयन होता है तो पंजाब सरकार चयनित खिलाड़ियों को एडवांस पेमेंट करेगी ताकि खिलाड़ी अपनी सुविधा अनुसार खुलकर तैयारी कर सके जबकि अन्य प्रदेशों में खिलाड़ियों को मेडल लाने के बाद ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस खेल नीति को लागू करने के बाद पंजाब में मेडलों की संख्या में इजाफा हुआ है।

शिक्षा मंत्री बैंस ने कहा कि पंजाब के लिए यह बहुत बड़ा गौरव है कि भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम, भारतीय महिला क्रिकेट टीम, भारतीय हॉकी टीम पंजाबियों की कप्तानी के अधीन शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। भारत की हॉकी टीम में पंजाबियों की बहुसंख्या यह संकेत दे रही है कि हमारा पंजाब प्रदेश खेलों के क्षेत्र में अपनी पुरानी पहचान बहाल करने की ओर बढ़ रहा है। इस अवसर पर विधायक दलजीत सिंह भोला गरेवाल, मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर, डायरेक्टर सेकंडरी एजुकेशन गुरिंदर सिंह सोढ़ी, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर, डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर, जिला शिक्षा अधिकारी डिंपल मदान, जिला खेल अधिकारी कुलदीप चुघ तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रोड़ी द्वारा हल्का गढ़शंकर के विभिन्न गांवों की लिंक सड़कों का उद्घाटन

हिन्द जनपथ
गढ़शंकर/होशियारपुर(ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा के डिप्टी स्पीकर तथा हल्का गढ़शंकर से विधायक श्री जय कृष्ण सिंह रोड़ी द्वारा आज हल्के के विभिन्न गांवों—घागों रोड़ांवाली, भंमियां, महिताबपुर, दुग्गरी, गढ़ी मट्टो, पाहलेवाल, बीरामपुर, साधोवाल, सौली, पुरखोवाल, रामपुर बिलड़ो, सलेमपुर, सतनौर, पखोवाल, पदराणा, बडेसरों, अकालगढ़ा, गोलियां, भजलां, लल्लियां, कालेवाल, मोहनोवाल, रावलपिंडी, फतेहपुर काला, देनोवाल काला तथा डोगरपुर की नई तैयार की गई लिंक सड़कों का रस्मी उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर रोड़ी ने कहा कि गांवों की लिंक सड़कें गांवों की तरक्की के लिए रीढ़ की हड्डी होती हैं। इन सड़कों के निर्माण से गांवों में आवागमन और अधिक सुगम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार गांवों को शहरों की तर्ज पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है।

डिप्टी स्पीकर ने बताया कि इन 28 गांवों की लिंक सड़कों के तैयार होने से किसानों को अपनी फसल मंडियों तक ले जाने में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों के लिए स्कूलों और कॉलेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी तथा आम लोगों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। उन्होंने

कहा कि मजबूत सड़कें न केवल विकास का प्रतीक होती हैं, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, इस संबंध में उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायतें दीं कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा हर काम पारदर्शी ढंग से किया जाए।

डिप्टी स्पीकर रोड़ी ने कहा कि हल्का गढ़शंकर में विकास कार्य लगातार जारी हैं। चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य सुविधाएं, पानी, बिजली या सड़कें—हर क्षेत्र में लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गांव का हर निवासी विकास का सीधा लाभ प्राप्त करे।

समारोह के दौरान स्थानीय लोगों तथा गांवों के प्रतिनिधियों द्वारा डिप्टी स्पीकर रोड़ी का विशेष रूप से धन्यवाद किया गया तथा कहा गया कि लिंक सड़कों की मांग कई वर्षों से की जा रही थी, जो आज पूरी हुई है।

अंत में डिप्टी स्पीकर श्री रोड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों से किए हर वादे को पूरा करने के लिए दृढ़ निश्चय के साथ काम कर रही है तथा हल्का गढ़शंकर को विकास के मामले में एक मॉडल हल्का बनाया जाएगा।

प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी

हिन्द जनपथ
साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। नगर निगम, साहिबजादा अजीत सिंह नगर द्वारा लंबे समय से बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा न कराने वाले डिफॉल्टरों, विशेषकर बड़े वाणिज्यिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान को और तेज कर दिया गया है। बार-बार नोटिस और पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद बकाया राशि जमा न कराने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर निगम आयुक्त परमिंदर पाल सिंह ने बताया कि पंजाब म्युनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट, 1976 की धारा 138-सी के तहत सीलिंग नोटिस जारी किए जा चुके हैं तथा अंतिम चेतावनी देते हुए बकाया प्रॉपर्टी टैक्स, पेनल्टी एवं ब्याज सहित जमा कराने के लिए तीन दिन का अंतिम समय दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 07.01.2026 (बुधवार) से बिना किसी अतिरिक्त सूचना के डिफॉल्टिंग संपत्तियों को सील किया जाएगा।

- **बुधवार से डिफॉल्टिंग संपत्तियों को किया जाएगा सील**

संयुक्त आयुक्त जसजीत सिंह ने बताया कि वर्तमान चरण के दौरान चार संपत्ति मालिकों/कब्जाधारकों ने कार्यालय पहुंचकर अपनी प्रॉपर्टी टैक्स असेसमेंट पूरी करवाई है, जबकि तीन संपत्ति मालिकों द्वारा लगभग 7 लाख रुपये की राशि जमा कराई गई है। नगर निगम इस अनुपालन की सराहना करता है, परंतु यह भी स्पष्ट करता है कि डिफॉल्ट जारी रहने की स्थिति में संपत्तियों को सील करने के साथ-साथ आगे चलकर नीलामी जैसी सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

यह कड़ी कार्रवाई नगर निगम राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने तथा नागरिकों के हित में शहरी ढांचे और सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही है। कानून के अनुसार सभी बकाया राशि की वसूली तक यह प्रवर्तन अभियान जारी रहेगा।

'युद्ध नशों विरुद्ध': 311वें दिन, पंजाब पुलिस ने 23.3 किलोग्राम हेरोइन सहित 105 नशा तस्करों को किया काबू

'डी-एडिक्शन' हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने 41 व्यक्तियों को नशा छुड़ाऊ इलाज करवाने के लिए किया राज़ी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा प्रदेश में नशों के खात्मे के लिए छेड़ी गई नशों के विरुद्ध जंग 'युद्ध नशों विरुद्ध' को लगातार 311वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज 313 स्थानों पर छापेमारी की, जिस दौरान प्रदेश भर में 77 एफआईआर दर्ज करके 105 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इससे 311 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 43,381 हो गई है।

इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 23.3 किलोग्राम हेरोइन, 5 किलो भुक्की, 486 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 6250 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों तथा सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट को पंजाब को नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए कहा गया है। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का भी गठन किया है।

इस ऑपरेशन के दौरान 73 गजेटेड अधिकारियों की निगरानी के तहत 1000 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 313 छापे मारे हैं। दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 333 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन तथा प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने 'डी-एडिक्शन' हिस्से के रूप में आज 41 व्यक्तियों को नशा छुड़ाऊ तथा पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राज़ी किया है।

पंजाब सरकार के सौहार्दपूर्ण प्रयासों के सार्थक परिणाम

एक साल में 5 लाख से अधिक लोगों द्वारा छत्तबीड़ चिड़ियाघर का दौरा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश के जंगली जीवों के बारे में जानने की विद्यार्थियों की तीव्र इच्छा और बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए छत्तबीड़ चिड़ियाघर में आने वाले विद्यार्थियों और विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या में आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली है। जनवरी से दिसंबर 2025 तक 5 लाख से अधिक लोग छत्तबीड़ चिड़ियाघर का दौरा कर चुके हैं। इनमें से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या 62 हजार से अधिक है।

वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के सख्त प्रयासों और मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा किए गए अनोखे प्रयासों के कारण सरकारी एवं निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने महिंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क, जिसे छत्तबीड़ चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है, का दौरा किया है।

उल्लेखनीय है कि निजी प्राइमरी स्कूलों के 18,000 से अधिक तथा निजी हाई स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या 16,000 से अधिक थी।

यह बड़ी संख्या पंजाब की युवा पीढ़ी में प्रदेश के जंगली जीवों के अलावा विभिन्न वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं के बारे में बढ़ रही उत्सुकता तथा प्रदेश सरकार द्वारा जंगली जानवरों के प्रति सहानुभूति की भावना पैदा करने के लिए उठाए गए विशेष कदमों को दर्शाती है क्योंकि ये जंगली जीव भी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 1977 में अस्तित्व में आए छत्तबीड़ चिड़ियाघर में समय-समय पर लोगों में जंगली जीवों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियां करवाई जाती हैं, जिनमें रक्तदान शिविर, दौड़ प्रतियोगिता (रन फॉर वाइल्ड), जू एजूकेशन प्रोग्राम आदि शामिल हैं। इन गतिविधियों से बच्चों, युवाओं एवं आम जनता को जंगली जीवों के प्रति प्रेरित किया जाता है।

रोजगार गारंटी में सुधार: भावनाओं के बजाय तथ्यों पर आधारित हो बहस

लेखक : श्री शैलेश कुमार सिंह, सचिव , ग्रामीण विकास विभाग , भारत सरकार

लोकतंत्र में लोकनीति पर सार्वजनिक बहस स्वाभाविक ही नहीं, बल्कि जरूरी भी है। आजीविकाओं (खास तौर से ग्रामीण परिवारों के लिए) को आकार देने वाले कानूनों की कड़ाई से समीक्षा की ही जानी चाहिए। लेकिन इस तरह की समीक्षा नए कानून के प्रावधानों के सावधानी पूर्वक अध्ययन पर आधारित होनी चाहिए। यह पिछले फ्रेमवर्क से निकाले गए अनुमानों या नुकसान के भय पर आधारित नहीं होनी चाहिए। मगर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून 2025 की ज्यादातर आलोचनाएं इस जाल में फंस जाती हैं। इनमें जल्दबाजी में पिछली नाकामियों का विश्लेषण कर उनका ठीकरा सुधार पर ही फोड़ दिया जाता है।

दो दशक पहले बनाए गए रोजगार गारंटी कानून ने ग्रामीण आय को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संकट के वक्त सुरक्षा प्रदान की। कोविड की वैश्विक महामारी जैसे संकट के समय में इसके योगदान को स्वीकार किया गया है। लेकिन समय के साथ अनुभव से इसकी दीर्घकालिक ढांचागत कमियां भी उजागर हुई हैं। मजदूरी के भुगतान में बार-बार देरी हो रही थी। प्रक्रियात्मक अवरोधों ने बेरोजगारी भत्ते को अप्रभावी बना दिया था। विभिन्न राज्यों में इस योजना तक पहुंच में काफी अंतर था। प्रशासनिक क्षमता असमान थी तथा फर्जी जॉब कार्ड, उपस्थिति के रजिस्टर में हेरफेर और खराब गुणवत्ता वाली संपदाओं के सृजन से बड़े पैमाने पर धन की बर्बादी हुई। ये छोटी नहीं, बल्कि प्रक्रियात्मक खामियां थीं। इसलिए मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि क्या सुधार की जरूरत थी। मुद्दा यह है कि क्या नए फ्रेमवर्क में इन खामियों को सार्थक ढंग से दूर किया गया है।

आम दावा है कि नए कानून में बुनियादी कमियां तो बनीं रहीं और समूची बहस को संक्षिप्ताक्षरों की होड़ में समेट दिया गया। लेकिन हकीकत में इसका उलट ही सच के ज्यादा करीब है। नया कानून डिलीवरी की उन कमियों को दूर करने पर केंद्रित है जिनकी वजह से पिछले फ्रेमवर्क की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा था। कमजोर परंपरागत प्रणालियों की जगह सत्यापित कामगार पंजीकरण ने ले ली है। देरी के लिए स्वतः मुआवजे के प्रावधान के साथ मजदूरी भुगतान की वैधानिक समय सीमाएं तय की गई हैं। अयोग्यता के उन प्रक्रियात्मक प्रावधानों को खत्म कर दिया गया है जिनकी वजह से बेरोजगारी भत्ता अप्रभावी बन गया था। स्पष्ट समयसीमा और जवाबदेही के साथ शिकायत निवारण को मजबूत किया गया है। ये दिखावटी बदलाव नहीं हैं। ये उन खामियों को दूर करते हैं जिनसे कामगारों का विश्वास टूटता था।

एक अन्य आलोचना यह है कि रोजगार गारंटी को खत्म कर दिया गया है। इनके अनुसार नई योजना में पुरानी कमजोरियां बनी हुई हैं। इस तरह की आलोचना सही नहीं है। वेतन रोजगार के कानूनी अधिकार को बरकरार और न्यायसंगत रखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह कि रोजगार की वैधानिक पात्रता को 100 दिनों से बढ़ाते हुए 125 दिन कर दिया गया है। बदलाव क्रियान्वयन की संरचना में किया गया है। पुराने कानून का मॉडल टुकड़ों में बंटा हुआ और प्रतिक्रियात्मक था। यह अक्सर संकट शुरू हो जाने के बाद ही हरकत में आता था। नए कानून का फ्रेमवर्क योजनाबद्ध और लागू करने योग्य है। इसे पूर्वानुमान के आधार पर कार्य सौंपे जाने के लिए डिजाइन किया गया है। वैधानिक सुधार के जरिए क्रियान्वयन की नाकामियों को दूर किए जाने को दोहराव नहीं, बल्कि संशोधन माना जाना चाहिए।

बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे अधिक गरीब आबादी वाले राज्यों को पहले के फ्रेमवर्क के तहत सबसे कम लाभ मिलने के सम्बन्ध में जो चिंताएं जताई गईं हैं, वे सही हैं लेकिन यह बात सुधार की जरूरत को और मजबूत करती है, न कि उसे कमजोर करती है। इन राज्यों में मनरेगा का लाभ कम पहुंचा यह योजना की एक बड़ी विफलता थी। बिना किसी ठोस योजना के सिर्फ मांग के आधार पर चलने वाला मॉडल उन राज्यों के पक्ष में रहा जिनकी प्रशासनिक क्षमता बेहतर थी, जबकि अधिक जरूरत और पलायन वाले राज्य पिछड़ गए। नया फ्रेमवर्क सीधे तौर पर इस असंतुलन को दूर करता है, यह रोजगार पैदा करने के काम को 'विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं' से जोड़ता है, जहाँ स्थानीय मांग और कामों की पहले से मंजूरी को सुनिश्चित फंडिंग के साथ मिलाया जाता है। असमान वितरण ही सुधार की ज़रूरत की असली वजह थी; पुरानी व्यवस्था को बनाए रखने का मतलब केवल मौजूदा असमानताओं को और बढ़ाना होता। इसके अलावा, निष्पक्ष मानकों पर आधारित आवंटन से राज्यों के बीच संसाधनों के बंटवारे में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता आएगी।

आलोचना का एक पक्ष यह भी है कि 125 दिनों का रोजगार देने का विस्तार केवल दिखावा है, क्योंकि अब राज्यों को भी खर्च का एक हिस्सा उठाना होगा। यह तर्क पहले के उदाहरणों और सुरक्षा उपायों दोनों को नज़रअंदाज करता है। केंद्र और राज्यों के बीच खर्च बांटने का यह तरीका केंद्र-प्रायोजित योजनाओं के पुराने नियमों के अनुसार ही रखा गया है। वहीं, उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर के लिए 90:10 के अनुपात (जहाँ केंद्र 90 और राज्य 10 प्रतिशत खर्च उठाते हैं) को जारी रखा गया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि योजना बनाकर काम करने से पैसों का बेहतर इस्तेमाल होता है, जिससे अनिश्चितता खत्म होती है और योजना को लागू करने में कम रुकावटें आती हैं। अधिकारों का दायरा बढ़ाना और साझा जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तालमेल को दर्शाता है, न कि कमजोरी को। ग्रामीण सड़कों से लेकर, आवास और पीने के पानी जैसे कई सफल राष्ट्रीय कार्यक्रम भी इसी तरह की व्यवस्था के तहत काम करते हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों को अक्सर नए फ्रेमवर्क का संभावित शिकार बताया जाता है। लेकिन सिर्फ़ आर्थिक कमजोरी ही राज्यों के बाहर होने का कारण नहीं है। पिछली व्यवस्था के तहत, राज्यों का इस योजना से बाहर होना अक्सर खराब प्लानिंग, सरकारी मशीनरी की कम क्षमता और काम करने के तरीके में आने वाली रुकावटों की वजह से था। नया कानून पहले से की गई तैयारी, जनता की भागीदारी और प्रौद्योगिकी के जरिये जोखिमों को कम करने की कोशिश करता है। नयी व्यवस्था में एक बार योजना मंजूर होने के बाद, काम देने से मना करने की अधिकारियों की शक्ति को कम किया गया है और पारदर्शिता तथा जवाबदेही को मजबूत किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रशासनिक खर्च को 6% से बढ़ाकर 9% कर दिया गया है जिससे राज्य अपनी जमीनी क्षमता को कार्यक्रम की विशालता के अनुरूप मजबूत बना सकें। किसी राज्य विशेष की अपनी चुनौतियाँ उस राष्ट्रीय सुधार को गलत साबित नहीं करतीं, इसका उद्देश्य पूरी व्यवस्था की कमजोरियों को ठीक करना है।

आलोचक यह भी कहते हैं कि पहले के फ्रेमवर्क के तहत कई ज़रूरतमंद राज्यों में रोज़गार के सबसे कम दिन मिले, और बहुत कम परिवार ही कानूनी सीमा तक पहुँच पाए। यह बात सुधार के तर्क को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे और भी मजबूत बनाती है। नया फ्रेमवर्क, दर्ज की गई मांग को मंजूर किए गए कामों, तय समय सीमा में पूरा करने और बेरोजगारी भत्ते को सुनिश्चित करेगा। इसका मकसद सीधा है: कानूनी हक को असल और भरोसेमंद रोज़गार के दिनों में बदलना, खासकर उन इलाकों में जहाँ पहले सुविधाओं की कमी थी।

पुरानी 'मांग-आधारित' योजना और नई 'आपूर्ति-आधारित' योजना के बीच के अंतर को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। व्यवहार में, यह अंतर इतना बड़ा नहीं है। नया फ्रेमवर्क डिमांड को कम नहीं करता; बल्कि यह योजना के माध्यम से इसे एक संस्थागत रूप देता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मांगी गई मांग को पूरा भी किया जा सके। संसाधनों के भरोसे के साथ की गई एक नियोजित मांग, उस सैद्धांतिक अधिकार से कहीं ज्यादा सशक्त है जो कभी पूरा ही नहीं हो पाता।

रोजगार गारंटी का अधिकार-आधारित स्वरूप, कमजोर होने के बजाय और मजबूत हुआ है। काम के दिनों को बढ़ाकर 125 दिन करना, मजदूरी भुगतान के लिए कानूनी रूप से लागू समय-सीमा, देरी होने पर अपने-आप मिलने वाला मुआवजा, हक छीनने वाली शर्तों को हटाना, और शिकायत निवारण के लिए अपील की सुविधा—ये सब मिलकर 'काम के अधिकार' की व्यावहारिक उपयोगिता को बढ़ाते हैं। अधिकार सबसे ज़्यादा तब मायने रखते हैं जब उनका प्रशासनिक बाधाओं के बिना इस्तेमाल किया जा सके।

यहां तक कि आलोचक भी मानते हैं कि योजना को लागू करने की विफलताएं—जैसे भ्रष्टाचार, फर्जी जॉब कार्ड, उपस्थिति रजिस्टर में हेरफेर और खराब गुणवत्ता वाली संपदाओं का निर्माण, पुराने फ्रेमवर्क की सबसे बड़ी कमजोरियां थीं। यह सुधार इन्हीं विफलताओं को दूर करने की कोशिश करता है, जिसके लिए सत्यापित लाभार्थी प्रणाली, मजबूत ऑडिट और अन्य योजनाओं के साथ मिलकर संपदा निर्माण का सहारा लिया गया है। पिछली विफलताओं को स्वीकार करना ही इस सुधार का ठोस आधार है, न कि इसके खिलाफ कोई तर्क।

योजना को कुछ समय के लिए रोकने को लेकर जो चिंताएं हैं, उन्हें सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह श्रम-बाजार के लिए एक सुरक्षा कवच है जिसे इसलिए बनाया गया है ताकि खेती के सबसे व्यस्त सीजन के दौरान श्रमिकों की कमी न हो और बाजार का संतुलन न बिगड़े। यह प्रावधान 125 दिनों के कानूनी अधिकार को कम नहीं करता है। यह प्रावधान सोची-समझी आर्थिक समझदारी को दिखाता है और उत्पादक कृषि रोज़गार को कमज़ोर किए बिना मजदूरों की आय की रक्षा करता है।

कुल मिलाकर, ज़्यादातर की जा रही आलोचनाएं पुराने फ्रेमवर्क की कमियों को बताती हैं और फिर उन कमियों का कारण खुद सुधारों को बताती हैं। विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम रोज़गार गारंटी को खत्म नहीं करता है बल्कि यह इसे और मजबूत और व्यापक बनाता है। खासकर उन कमज़ोरियों पर ध्यान देता है जहाँ ज़्यादा ज़रूरत वाले इलाकों और कमज़ोर मज़दूरों के बीच योजना के प्रभाव को सीमित कर दिया था।

यहाँ सुधार का अर्थ सामाजिक सुरक्षा से पीछे हटना नहीं है; बल्कि यह काम के वादे को वास्तविक, भरोसेमंद और गरिमापूर्ण बनाने का एक प्रयास है।

संपादकीय

एनआरआई शादियां- विदेश की चकाचौंध या जिंदगी भर की परेशानी?

देश में पिछले कुछ वर्षों से एनआरआइ यानी अनिवासी भारतीयों से शादी रचाने का चलन बढ़ रहा है। विदेश की चकाचौंध यहां के परिवारों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मगर कई बार उनके ये सपने तब डरावनी हकीकत में बदल जाते हैं, जब उन्हें धोखाधड़ी, शोषण, परित्याग, और मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रपट से पता चलता है कि इस तरह की परेशानियां सबसे ज्यादा पंजाब की महिलाओं को झेलनी पड़ रही हैं, क्योंकि यहां अनिवासी भारतीयों से विवाह का आंकड़ा भी ज्यादा है। इसके बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, और केरल सहित दूसरे राज्यों का स्थान आता है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे मामलों में दो देशों के शामिल होने से कानूनी प्रक्रिया भी जटिल हो जाती है। हालांकि, सरकारी तंत्र में इस तरह की शिकायतों के निपटारे के लिए व्यवस्था मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी असर कम ही दिखाई देता है।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में देशभर से ऐसे मामलों से जुड़ी चार सौ से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। जबकि, इस वर्ष एक जनवरी से 31 मार्च तक यह आंकड़ा सौ से ज्यादा रहा। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष पंजाब में अनिवासी भारतीयों से विवाह के विवाद को लेकर सबसे ज्यादा 49 शिकायतें मिली। इसी तरह, महाराष्ट्र से 37 और दिल्ली से 31 मामले सामने आए। पंजाब में इस तरह के मामले अधिक होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू भी शामिल हैं। सरकार का दावा है कि ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया को विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके तेज किया जाता है।

आखिर मादुरो पर क्यों की गई इतनी सख्त कार्रवाई?

खनिज और तेल से भी ज्यादा खास चीजों पर ट्रंप की नजर

वेनेजुएला पर अमेरिका का हमला और वहां के तात्कालिक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी को हिरासत में लेने के मामले में दुनिया एक बार फिर से बंट गई लगती है। कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिका की इस कार्रवाई का स्पष्ट विरोध किया है। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों का प्रचार करने की रणनीति भी पीछे नहीं है। समर्थन और विरोध से इतर यह सवाल अनुत्तरित रहेगा कि आखिर मादुरो पर ही यह कार्रवाई क्यों की गई! यदि नशीले पदार्थों की तस्करी ही उनका गुनाह-ए-अजीम है, तो इसको लेकर तो चीन पर भी सवाल उठते रहे हैं। देखा जाए तो वेनेजुएला के विपुल खनिज और तेल पर अमेरिकी कंपनियों का नियंत्रण, ट्रंप की नीयत को पूरी तरह से उजागर नहीं करता है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव का यह सिलसिला पुराना है। वेनेजुएला में वर्ष 1999 में ह्यूगो शावेज के सत्ता संभालने के बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत हो गई थी। शावेज खुद को समाजवादी और अमेरिकी साम्राज्यवाद का विरोधी बताते थे। उन्होंने अमेरिका को आंख दिखाते हुए क्यूबा और ईरान जैसे कई अमेरिकी विरोधी देशों से दोस्ती बढ़ाई। कहानियां यह भी गढ़ी जा रही हैं कि अमेरिका के हमले का मकसद उस 'स्वघोषित समाजवादी क्रांति' को खत्म करना है, जिसे मादुरो के राजनीतिक गुरु और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज ने 1999 में शुरू किया था।

पुष्परंजन

बात फिर नशीले पदार्थों की तस्करी पर आती है कि आखिर वह ऐसा कौन सा पदार्थ था, जिसकी वजह से अमेरिका की नींद हराम हो गई थी? यह गांजा, अफीम, चरस-हशीश, या हेरोइन नहीं, बल्कि सबसे घातक नशीला पदार्थ 'फेंटानिल' है। कहा जा रहा है कि इस पदार्थ की तस्करी ने अमेरिका में बड़ी संख्या में लोगों की जान ले ली। इसने ट्रंप की आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी को तबाह कर दिया। कायदे से बहस फेंटानिल के मुख्य आपूर्तिकर्ता चीन पर और ट्रंप के क्रिप्टो गोरखधंधे पर होनी चाहिए थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1999 से अब तक अमेरिका में लगभग दस लाख लोगों की इस नशीले पदार्थ की वजह से मौत हो चुकी है। वर्ष 2020 में नशीले पदार्थों से हुई मौत के कुल मामलों में से 82 फीसद फेंटानिल से जुड़े थे। 2022 में यह संख्या 107,941 पर पहुंच गई। 2025 तक अमेरिका में नशीले पदार्थों से होने वाली मौत की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका मुख्य कारण फेंटानिल की बढ़ती तस्करी को माना गया है। दरअसल, फेंटानिल प्रयोगशाला में बनने वाला एक सिंथेटिक नशीला पदार्थ है, जो मार्फिन से 80-100 गुना और हेरोइन से पचास गुना ज्यादा घातक है। वैसे इसका नियंत्रित इस्तेमाल आमतौर पर अस्पतालों में दर्द कम करने के लिए किया जाता है।

इसकी खरीद-फरोख्त के लिए 'डार्कनेट' का सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। डार्कनेट बाजार वेब पर एक वाणिज्यिक वेबसाइट है, जिसके जरिए नशीले पदार्थ, हथियार, चोरी किया हुआ डेटा और नकली दस्तावेज का अवैध लेन-देन होता है। उदाहरण के लिए, 'सिल्क रोड', जो वर्ष 2011 में बना, वह एक डार्कनेट बाजार था। यह बिटकाइन के शुरुआती उपयोगकर्ताओं में से कुछ का ठिकाना था। ज्यादातर डार्कनेट बाजार अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजंसियों से बचने के लिए अपने मंच पर फेंटानिल जैसे नशीले पदार्थों पर साफ तौर पर प्रतिबंध का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, कई लोग फेंटानिल पर दिखाई जाने वाली पाबंदी से बचने का रास्ता निकाल लेते हैं।

वर्ष 2020 की 'ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन' (डीइए) की रपट में चीन को फेंटानिल का शीर्ष उत्पादक देश बताया गया था। इस संस्था ने फेंटानिल उत्पादन की एक शृंखला का पता लगाया है, जिसमें खतरनाक रसायनों को अवैध रूप से लैटिन अमेरिकी देशों में भेजा जाता है, जहां उनका इस्तेमाल फेंटानिल बनाने के लिए किया जाता है। इसे बाद में बेचने के लिए अमेरिका ले जाया जाता है। अमेरिका के कानून प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इस नशीले पदार्थ से जुड़े लेन-देन में शामिल अधिकांश लोग आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी का इस्तेमाल करते हैं। कई अमेरिकियों को लगता है कि प्रवासी लोग ही उनके देश में फेंटानिल ला रहे हैं।

मगर आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि

फेंटानिल की तस्करी और अवैध बिक्री में प्रवासी लोग केवल पच्चीस फीसद और अमेरिकी नागरिक पचहत्तर फीसद शामिल हैं। अमेरिका का प्रशासन अपने ही घर में इसे रोक पाने में नाकाम रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप के रहते हुए फेंटानिल की तस्करी के तरीकों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। इसका बड़े पैमाने पर विश्लेषण करने के लिए 'चैनालिसिस' ने चीन में सक्रिय फेंटानिल के घटक रसायनों के विक्रेताओं से जुड़े क्रिप्टोकरंसी पते की पहचान की। इनके पास वर्ष 2015 से अब तक 98 मिलियन डालर से ज्यादा की क्रिप्टोकरंसी का पता चला है। चैनालिसिस एक अमेरिकी ब्लाकचेन विश्लेषण फर्म है, जिसका मुख्यालय न्यूयार्क सिटी में है।

सबको इस बात की खलिश है कि भारत ने वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले की कार्रवाई को लेकर संतुलित बयान जारी क्यों किया। भारत ने रविवार को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने पर गहरी चिंता जताई और सभी पक्षों से क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाने की अपील की। मगर, हम एक घटना का विश्लेषण गहराई से करेंगे, तो बात समझ में आ जाएगी कि भारत के इस बयान के क्या मायने हैं। 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर एक सूचना जारी की गई कि 'फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के कारण भारतीय कंपनी के अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के अमेरिकी वीजा रद्द।' दूतावास ने स्पष्ट किया कि ये व्यक्ति अमेरिका की यात्रा के लिए अयोग्य हो सकते हैं।

साथ ही कहा कि दूतावास उन कंपनियों से जुड़े अधिकारियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है, जिनके बारे में पता चला है कि उन्होंने फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी की है। फेंटानिल के प्रवाह को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। यह दिलचस्प है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को बता रहे हैं कि नशीले पदार्थों की तस्करी ही मादुरो का मुख्य गुनाह है, लेकिन वे यह नहीं बता पा रहे कि इस अवैध धंधे से उनकी कंपनी की क्रिप्टोकरंसी का कितना नुकसान हुआ है। एक हालिया रपट के अनुसार, वर्ष 2025 के आखिर में क्रिप्टो बाजार में गिरावट के कारण ट्रंप की कंपनी की कुल संपत्ति का मूल्य एक बिलियन डालर से ज्यादा कम हो गया।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस परिवार की संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डालर से घटकर 6.7 बिलियन डालर रह गया और यह डिजिटल संपत्ति में गिरावट के कारण हुआ है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि नशीले पदार्थ फेंटानिल के उत्पादन से जुड़े क्रिप्टोकरंसी-आधारित लेन-देन ने 'ट्रंप मेमेकाइन' को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप अपने इस दर्द को सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने वेनेजुएला पर कार्रवाई करके एक तीर के साथ कई निशाने साधे हैं।

रोजगार गारंटी को मजबूत बनाए रखने की जरूरत

सरकार ने दो दशक पुराने 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) का नाम और उद्देश्यों को बदलकर उसकी जगह 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' या वीबी-जी राम जी कानून लागू किया है। सार्वजनिक रोजगार योजनाएं लंबे समय से देश में आजीविका सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन के लिए लागू की जाती रही हैं। महाराष्ट्र में 1970 के दशक से ऐसी ही योजना प्रभावी है। हालांकि, मनरेगा में अलग बात यह थी कि इसमें हरेक ग्रामीण परिवार को मांग-आधारित और बिना शर्त रोजगार की गारंटी दी गई थी। बेशक, इसमें रोजगार की पूर्ण गारंटी नहीं थी, क्योंकि इसमें एक परिवार को अधिकतम 100 दिनों का ही रोजगार मुहैया कराने का प्रावधान था।

(हिमांशु)

इसने ग्रामीण बुनियादी ढांचों में सुधार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और गरीबी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसकी उपयोगिता तब विशेष रूप से साबित हुई, जब कोरोना महामारी के दौरान गांव लौटे लाखों प्रवासियों के लिए भी यह कानून जीवनदायक बना।

मनरेगा की खासियत यह भी थी कि इसे कानूनी समर्थन हासिल था। इसकी बिना शर्त सबके लिए उपलब्धता ने इसे अनेक परिवारों की जीवन-रेखा बना दिया। जब पश्चिम बंगाल सरकार ने इसको रोकने की कोशिश की, तब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मनरेगा को महज तकनीकी कारणों से नहीं रोका जा सकता। मजदूरों के लिए मनरेगा से इतर कहीं और काम करने का मतलब था, मनरेगा में तय मजदूरी से अधिक मिलना। इस तरह इस कानून ने श्रम बाजार को परोक्ष रूप से मजबूत किया। इस बात के पर्याप्त सुबूत हैं कि इसने 2004-05 से 2011-12 तक ग्रामीण मजदूरी बढ़ाने और गरीबी कम करने में मदद की। बाद के वर्षों में इसके कई प्रावधानों को केंद्र एवं राज्य सरकारों ने कमजोर किया और इसकी मजदूरी, जो बाजार दर से अधिक थी, वह उसकी दो-तिहाई रह गई। फिर भी, इसमें काम की मांग बनी हुई थी, जिसका फायदा अमूमन औरतें और वंचित समुदायों के लोग उठा रहे थे।

नए कानून में मनरेगा वाले अधिकार का अभाव है और अधिकतम सीमा से अधिक काम की मांग नहीं की जा सकती। इसके तहत अब केंद्र सरकार अपने तय 'उद्देश्यों' के तहत फंडिंग करेगी। कृषि सीजन में इस कानून के तहत काम मांगने की गारंटी 60 दिनों के लिए टाल दी गई है। बेशक, इस दौरान अधिकतर मजदूर मनरेगा का काम नहीं ढूंढ़ते थे, पर

गारंटी के कारण उन्हें बेहतर मजदूरी के लिए मोलभाव करने में मदद मिलती थी। मनरेगा ने निस्संदेह मजदूरी बढ़ाने में मदद की, लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि इसने सूखा या खेती के काम की कमी के दौरान रोजगार उपलब्ध कराकर मजदूरों को सहारा दिया। हालांकि, हाल के दिनों में 22 राज्यों में इसकी मजदूरी दर बाजार दर से कम हो गई थी, जिस कारण इसमें काम की मांग घट गई थी। मगर ऐसे समय में, जब खेती की मजदूरी स्थिर है और गैर-खेती की मजदूरी में करीब एक दशक से कमी आ रही है, तब फसल सीजन के दौरान इसे लागू करने पर रोक लगाने से मजदूरी पर और दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा काम के अधिकतम दिनों को 125 करने का भी कोई खास फायदा नहीं मिल सकता, क्योंकि पिछले दो दशकों में मनरेगा में काम के दिनों की औसत संख्या प्रति परिवार 50 से कम रही है और मुश्किल से दो से तीन प्रतिशत परिवार ही 100 दिनों तक काम कर पाए हैं। नए कानून को आर्थिक मोर्चे पर भी जूझना पड़ सकता है। मनरेगा में 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती थी, लेकिन अब वह बड़े राज्यों को खर्च का सिर्फ 60 प्रतिशत हिस्सा देगी। इस तरह, नया कानून कमजोर अर्थव्यवस्था वाले राज्यों के लिए बोझ बन सकता है। इससे राज्यों के बीच असमानता बढ़ सकती है, जिससे कम उत्पादकता और प्रति व्यक्ति आय वाले राज्यों को नुकसान हो सकता है। मनरेगा ज्यादातर गरीबों के लिए एकमात्र सामाजिक सुरक्षा की गारंटी थी, जिससे लगभग एक-तिहाई ग्रामीण परिवार लाभ उठा रहे थे। जाहिर है, इसके खत्म होने से ग्रामीण संकट बढ़ सकता है और धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी सुस्त पड़ सकती है। (लेखक एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू । (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5966

1	2		3	4		5	6
7		■	8		■	9	
		10			11		■
12	13		■	14			■
15		■	16		■	17	18
■	19	20	■		■	■	
21	■	22	23		24	25	■
26		■		■	27		■

संकेतः बाएं से दाएं
1. गांधीजी को महात्मा की उपाधि इन्होंने दी थी (8)
7. दौलत, वृद्धावस्था, स्वर्ण, सोना (2)
8. मित्र, दोस्त, उपपति (2)
9. एक बार सांस लेने का समय (2)
10. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
11. आकाश, गगन, अंबर (2)
12. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा, परीक्षण (3)
14. उत्तरप्रदेश का यमुना नदी किनारे बसा एक नगर जो प्रदेश का तीसरा बड़ा शहर है (3)
15. एक प्राचीन सिक्का जो दो पैसे के बराबर होता था (2)
16. वर्ष, अवस्था, जीवनकाल (2)
17. ईश्वर, स्वामी, प्रभु (2)
19. जमीन नापने की प्राचीन इकाई जो बीस बिस्वे के बराबर होती है (2)
22. सहायता करने वाला, सहयोगी (5)
26. आपत्ति, हानि आदि से बचाव (2)
27. आवाज, शब्द (2)

ऊपर से नीचे
1. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
2. बहादुर, हिंदी व्याकरण में एक रस जिसका स्थायी भाव उत्साह है (2)
3. जो जल्दी न मिल सके, अप्राप्य (3)
4. दीवारों में ईंट की जुड़ाई की पंक्ति, शेर की मांद (2)
5. सौभाग्यवती स्त्री के आंचल को नारियल आदि से भरना (5)
6. प्रेमकर्ता (2)
10. जले हुए पदार्थ का अंश, भस्म (2)
11. जवाहर, रत्न, मणि (2)
13. छिछली गोल (3)
14. आयु संबंधी शास्त्र जो अठारह विधाओं में से एक है (4)
18. भ्रम, संदेह (2)
20. सूर्य का प्रकाश, धूप (2)
21. पुराणानुसार यह सुपर्णखा का भाई था (2)
23. स्थिती, अवस्था, हालात (2)
24. गीत प्रस्तुम करने की क्रिया (2)
25. दंत, दांत (2)

वर्ग पहेली 5965 का हल

र	वि	शं	क	र	शु	क्ल	■
बा	■	क	मी	ज	■	ब	दी
ब	हा	र	■	क	ली	■	ना
■	ल	द	ना	■	ला	ल	■
ना	■	या	द	■	से	ह	त
ट	ह	ल	ना	■	ठ	क	■
क	■	श	■	चा	■	ना	थ
■	ब	र्मा	■	ह	ज	■	क्का

विपक्षी दलों पर लोगों को भरोसा नहीं

(कमलाकांत त्रिपाठी)

लोगों को विपक्षी दलों पर किंचित भी भरोसा नहीं। किसी मनोवैज्ञानिक से दरयाफ्त करें, कहीं यह खुद पर अविश्वास का सूचक तो नहीं! अमूमन लोग दूसरों के बारे में वैसी ही धारणा बनाते हैं, जैसे खुद होते हैं। मनुष्य की अपनी मानसिक सीमा होती है। मामला यहीं तक सीमित होता, तब भी कोई बात थी। बात आगे बढ़ गई है। थोड़ा सच और ढेर सारा झूठ मिलाकर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना आरोप गढ़ लेना, जिनकी कल्पना भी सामान्य आदमी के जेहन में कठिन है। हो सकता है, ऐसा करते समय वे अपनी ही (आपराधिक) मानसिकता का परिचय दे रहे हों। उनकी कल्पना में वही आता हो, जो ऐसी स्थिति में वे खुद करते। सब्र और जिम्मेदारीपूर्ण आलोचना तो भारतीय जनतंत्र की शब्दावली से हटा ही देनी चाहिए। फेसबुक पर भी ऐसे ही गैर-जिम्मेदार और सच-झूठ की मिलावट से निःसृत कुत्सित आरोपों से भरी पोस्ट बहुतायत में दिख जाएंगी। जैसे निखालिस इसी एजेंडे के तहत सोशल मीडिया पर अवतरित हुए हों। मगर सबसे खतरनाक पहलू दूसरा है। मीडिया-वर्चस्व के इस युग में सामान्य जनता राजनीतिक दलों से सीधे प्रभाव ग्रहण करती है। उनके नेताओं का विचलन सामान्य जनता के विचलन को आश्वस्ति प्रदान करता है। पूरे देश की चारित्रिक गिरावट का पूरा सरंजाम मौजूद है। विपक्ष की हताशा देखकर लगता तो यही है कि बेहतर विकल्प देने की सारी संभावनाएं खर्च हो चुकीं। अब तो यही कहा जाएगा कि सत्ता पक्ष जाएगा, तो अपने ही 'कर्मों', अंतर्विरोधों व कदाचारों से जाएगा। विपक्ष के बूते की बात नहीं कि उसे टस से मस कर सके। हाल में बिहार में उन्मत्त और बेलगाम घोड़ों (मोटर साइकिलों) पर सवार युवा सेनानियों ने ऐसा समां बांधा कि लगा, चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक के समय का बिहार अंगड़ाई ले रहा है और बस जागने ही वाला है, मगर ढाक के वही तीन पात। 'एसआईआर' न हुआ, ब्रह्मास्त्र हो गया।

अब वही दंगल पश्चिम बंगाल में चलने वाला है। वहां एक अजेय वीरांगना का सेनापतित्व है और 'इंडिया' ब्लॉक के नामचीन और अनाम घटकों की सेनाओं का जमावड़ा। तलवारें खिंच गई हैं। उधर सीमा पार के देश में सत्ता-सदनों पर हमले आयोजित हो रहे हैं, जबकि वहां की दो वीरांगनाएं- तस्लीमा नसरीन और शेख हसीना- किसी तरह जान-बचाकर भारत की शरण में हैं। जरूरत पड़े, तो स्वयं की जान देकर शरणागत की रक्षा करना हमारा परंपरागत और परम धर्म है। जो भी हो, बंगाल का चुनाव-परिणाम हमारे विपक्षी दलों के महान गठबंधन की अग्नि-परीक्षा है, और भारत के राजनीतिक भविष्य का पूर्वराग भी। (लेखक टिप्पणीकार)

आज का राशिफल

मेष
आज अजनबी लोगों का सहयोग मिलता हुआ दिख रहा है। इस दौरान अचानक आने वाली परेशानी के कारण लाभ के अवसरों में रुकावट आ सकती है। ऐसे में आपको अधिक परिश्रम करनी पड़ सकती है। आपके विरोधी भी इस समय आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ पाएंगे।

वृष
आज का दिन लाभ दिलाने वाला साबित होगा। हालांकि अधिक उत्साह के कारण कुछ कार्य बिगड़ भी सकते हैं। कुछ आर्थिक और पारिवारिक दबाव भी महसूस हो सकता है। इस दौरान आपको शुभ संदेश भी प्राप्त हो सकता है। कुछ पुराने मित्रों से मुलाकात आपको तरोताजा कर देगी।

मिथुन
आज के दिन मतभेद हो सकता है। ऐसे में परिवार के सदस्यों के साथ खुलकर बातचीत करें। इससे मान सम्मान भी बढ़ेगा और अप्रत्याशित लाभ की प्राप्ति भी होगी। हालांकि, आपको आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी।

कर्क
आज के दिन अधिक मेहनत करनी होगी। कुछ पुराने कार्यों की वजह से आपको तनाव हो सकता है। नौकरी या व्यापार से जुड़े कार्य के लिए यात्रा भी करनी पड़ सकती है। हालांकि, मानसिक दबाव के कारण मन थोड़ा बेचैन रह सकता है। इसलिए कोई बी कार्य सोच-समझकर करें।

सिंह
आज कार्यक्षेत्र में सब कुछ अच्छा रहने वाला है। आपके सभी काम बिना किसी बड़ी अड़चन के समय पर पूरे हो जाएंगे। अच्छे परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। इस दौरान खर्चे आपका बजट बिगाड़ सकते हैं। ऐसे में खर्चों को कंट्रोल करना आपके लिए जरूरी होगा।

कन्या
आज का दिन शुभ समाचारों से भरा रहेगा। किसी आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा। आज समय आपके पक्ष में रहेगा। इसलिए बेहतर होगा कि वही काम करें जिसमें सफलता की संभावना अधिक हो। स्वास्थ्य आज के दिन आपका बेहतर रहेगा।

तुला
आज कार्यक्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत बनी रहेगी। आपकी सूझबूझ से एक के बाद एक मामले सुलझाते चले जाएंगे। इस दौरान आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। हालांकि स्वास्थ्य पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। पेट या आंखों से संबंधित समस्या परेशान कर सकती है।

वृश्चिक
आज दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जटिल काम आसानी से पूरे होंगे। आज के दिन लाभदायक प्रोजेक्ट भी हाथ लग सकते हैं। हालांकि मानसिक उलझनें आपको थोड़ा परेशान जरूर कर सकती हैं। इससे सिरदर्द या बेचैनी महसूस हो सकती है।

धनु
आज छोटी-मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में शुभ समाचार प्राप्त होगा और सहयोगियों का समर्थन मिलेगा। इस दौरान परिवार के लोगों का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। इससे आपको मनोबल बढ़ेगा। हालांकि घर में कुछ तनावपूर्ण माहौल भी बनता हुआ दिख रहा है।

मकर
आज मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ मिलेगा। परिवार में किसी संपत्ति से जुड़े विवाद को सुलझाने की जरूरत पड़ सकती है। घरेलू जिम्मेदारियों को आज आप अच्छी तरह संभाल लेंगे। नौकरी और व्यापार में मन मुताबिक सफलता मिलेगी। विरोधियों का प्रभाव भी कम होगा।

कुंभ
आज समय और धन दोनों का नुकसान हो सकता है। हालांकि इस दौरान योजनाबद्ध कार्य सफल होंगे और आपको आर्थिक लाभ का अवसर भी मिलेगा। मामा पक्ष से किसी तरह का सहयोग या लाभ प्राप्त हो सकता है। पुराने मित्र के आने से घर में माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीन
आज का दिन काफी लाभदायक है। अपनी बुद्धिमानी से आप कठिन परिस्थितियों को भी आसानी से संभाल लेंगे। आज आपके विरोधी कमजोर पड़ेंगे और आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। हालांकि, आपको खान-पान में लापरवाही से बचना होगा। जीवनसाथी के साथ आर्थिक मामलों में मतभेद हो सकता है।

1497.05 रुपये तक लुढ़क गया

रिलायंस इंडस्ट्रीज की सफाई और 5 प्रतिशत से अधिक गिर गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज भारी गिरावट आई। कंपनी का शेयर बीएसई पर 4 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 1497.05 रुपये तक लुढ़क गया। पिछले सत्र में यह 1,577.45 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,575.55 रुपये पर खुला। लेकिन बिकवाली का दबाव बना रहा और ट्रेडिंग वॉल्यूम में काफी बढ़ोतरी देखी गई। कंपनी का कहना है कि उसे जनवरी में रूस से कच्चे तेल की कोई डिलीवरी मिलने की उम्मीद नहीं है और पिछले तीन हफ्तों से उसे ऐसा कोई कार्गो नहीं मिला है। रिलायंस कभी रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाली भारतीय कंपनी थी। कंपनी ने एक्स पर एक बयान जारी कर ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया था कि रूस से तेल लेकर आ रहे तीन जहाज रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी की ओर बढ़ रहे हैं। कंपनी का बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर भारत रूस से तेल की खरीद कम नहीं करता है तो भारत पर टैरिफ बढ़ाया जा सकता है। रिलायंस का यह शेयर आज निफ्टी 50 इंडेक्स पर सबसे बड़े गिरावट के कारक के रूप में उभरा। इसने बेंचमार्क की कुल 91 अंकों की गिरावट में 72.5 अंकों का योगदान दिया। उसके बाद एचडीएफसी बैंक और ट्रेंट का नंबर रहा। रिलायंस के शेयर की कीमत में हाल ही में मिला-जुला रुझान देखा गया है। पिछले हफ्ते शेयर 0.54 प्रतिशत गिरा और पिछले दो हफ्तों में 2.44 प्रतिशत की गिरावट आई। मासिक आधार पर यह 0.55 प्रतिशत नीचे है। हालांकि तिमाही आधार पर रिलायंस ने 11.45 प्रतिशत का मजबूत लाभ दर्ज किया है जबकि पिछले एक साल में यह शेयर 25.8 प्रतिशत चढ़ा है। तकनीकी दृष्टिकोण से देखें तो शेयर मिड से लॉन्ग टर्म पीरियड के एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर बना हुआ है। रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 59.8 पर है, जिसे न्यूट्रल क्षेत्र माना जाता है।स्थिति का संकेत देता है, जबकि 70 से ऊपर का स्तर ओवरबॉट का संकेत देता है। 11.52 मिनट पर कंपनी का शेयर 4.09 प्रतिशत गिरावट के साथ 1513 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

खुलते ही पूरा भर गया आईपीओ

पहले दिन 4 गुना हुआ सब्सक्राइब, जीएमपी में बंपर तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस देने वाली कंपनी गैबियन टेक्नोलॉजीज इंडिया का आईपीओ मंगलवार, 6 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह इश्यू 8 जनवरी तक खुला रहेगा। आज मंगलवार को आईपीओ खुलते ही पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया। सुबह 11 बजे तक ही इसे 4 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब कर लिया गया था। कुल 29.16 करोड़ के इस आईपीओ को लेकर स्मॉल और रिटेल निवेशकों में अच्छी दिलचस्पी देखी जा रही है। कंपनी ने इसके लिए 76 से 81 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है और यह पूरा इश्यू फ्रेश इश्यू है, यानी इसमें कोई भी ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 36 लाख नए इक्विटी शेयर जारी कर रही है। इश्यू से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल प्लांट और मशीनरी की खरीद, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट कामों के लिए किया जाएगा। कंपनी पहले ही एंकर निवेशकों से करीब 8.2 करोड़ जुटा चुकी है। इनमें एचडीएफसी बैंक, 360-वन ग्रु प, नियो एसेट मैनेजमेंट और टाइगर स्ट्रैटेजीज फंड जैसे नाम शामिल हैं। एंकर निवेशकों को ऊपरी प्राइस बैंड 81 पर करीब 10.22 लाख शेयर अलॉट किए गए हैं, जिससे इश्यू को लेकर भरोसा बढ़ा है।

13000 डॉलर प्रति टन के पार हुई कीमत

लाल धातु से सोना, चांदी पर संकट!

● एमसीएक्स पर भी क्या भाव? ● क्यों बढ़ रही तांबे की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल धातु यानी कॉपर (तांबा) सोना-चांदी के लिए संकट खड़ा कर रही है। इसकी कीमत में लगातार तेजी आ रही है। सोमवार को इसकी कीमत 13,000 डॉलर प्रति टन के पार निकल गई। यह पहली बार हुआ है जब अमेरिका में धातु की शिपमेंट में फिर से तेजी आई है, जिससे बाजार में तेजी की भावना फिर से जाग उठी है। अब सवाल है कि क्या साल 2026 में यह लाल धातु रिटर्न के मामले में सोने और चांदी को पीछे छोड़ देगी? सोमवार को तांबे की कीमत रेकॉर्ड स्तर पर 13,000 डॉलर प्रति टन से ऊपर पहुंची। लंदन मेटल एक्सचेंज पर बेंचमार्क कॉपर में 4.7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। यह तेजी नवंबर के मध्य से कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को जारी रखती है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह उछाल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंता को दर्शाता है। व्यापारी और निवेशक मजबूत अमेरिकी मांग और भविष्य में आयात शुल्क की आशंका पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एमसीएक्स पर भी कॉपर में तेजी बनी हुई है। मंगलवार सुबह 11-30 बजे इसमें 14 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह 1327.50 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार अभी तक इसमें एक फीसदी से ज्यादा की तेजी आ गई है। सोमवार को तांबा 1313.30 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। टैरिफ का डर तांबे की कीमत में प्रीमियम को बढ़ा रहा है। वहीं चिली खदान में हड़ताल के कारण भी इसकी कीमत में तेजी आई है। सप्लाई में दिक्कतों के चलते भी इसका भाव उछल रहा है। वहीं दूसरी ओर तांबे की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तांबे का इस्तेमाल बिजली के तारों, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक-वाहन बैटरी में होता है। डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम होने के चलते इसमें तेजी देखी जा रही है।

वैश्विक सुस्ती के बीच तेजी से दौड़ रहा भारत का ग्रोथ इंजन, निवेश और विनिर्माण से बन रही भरोसेमंद छवि

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अर्थव्यवस्था जहां 2 से 2.5 प्रतिशत की सुस्त वृद्धि दर के दौर में फंसी हुई है, वहीं अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की ताजा रिपोर्ट भारत को उन गिनी-चुनी अर्थव्यवस्थाओं में रखती है, जहां तेज विकास केवल अनुमान नहीं बल्कि आंकड़ों से समर्थित वास्तविकता बन चुका है। ईवाई के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रही, जबकि 2025-26 के लिए इसी दायरे में रहने का अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट इस वृद्धि को केवल गति का परिणाम नहीं बल्कि निवेश, विनिर्माण, घरेलू मांग और संरचनात्मक सुधारों के संयुक्त प्रभाव के रूप में देखती है। ईवाई के अनुसार वर्ष 2025 में अमेरिका की औसत वृद्धि दर लगभग 1.8 प्रतिशत रही, यूरो जोन में यह 1.2 प्रतिशत के आसपास दर्ज की गई। जबकि चीन की वृद्धि 4.5 से 4.8 प्रतिशत के दायरे में दर्ज की गई। इसके विपरीत भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना तेज गति से आगे बढ़ती दिख रही है। रिपोर्ट कहती है कि यही अंतर भारत को पूंजी निवेश और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षक बनाता है। भारत की जीडीपी में सेवाओं का योगदान जहां 54 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है, वहीं उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो एक दशक पहले लगभग 25 प्रतिशत थी। रिपोर्ट इसे इस बात का संकेत मानती है कि भारत की वृद्धि अब अत्यधिक सेवा-आधारित न रहकर अधिक संतुलित हो रही है।

सकल स्थायी पूंजी निर्माण दर जीडीपी के अनुपात में 31 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच चुकी है, जो वर्ष 2020 में घटकर 27 प्रतिशत तक आ गई थी। रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में पिछले पांच वर्षों में लगभग 2.5 गुना वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर निजी निवेश के भरोसे पर पड़ा है।

नमकीन के बाद अब पानी भी बेचेंगे अमिताभ बच्चन

● रिलायंस की कैंपा श्योर के बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन नमकीन के बाद अब पानी का भी विज्ञापन करते नजर आएंगे। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने अपने पैक्ड पानी के ब्रांड कैंपा श्योर के लिए अमिताभ बच्चन के साथ एक डील है। कंपनी ने कैंपा श्योर के लिए अमिताभ बच्चन को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

यह डील फिलहाल एक साल के लिए है। कंपनी को उम्मीद है कि अमिताभ बच्चन की लोकप्रियता का फायदा उठाकर वे कैंपा श्योर को सस्ते दाम पर लोगों तक पहुंचा पाएंगे। रिलायंस कंज्यूमर ने पानी के लिए भी वही तरीका अपनाया है जो उसने कोला ड्रिंक्स के लिए अपनाया था। कैंपा श्योर की कीमत बिस्लेरी, कोका-कोला के किनले और पेप्सिको के एक्वाफिना जैसे ब्रांड्स से 20-30 प्रतिशत कम रखी गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एफएमसीजी यानी फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स वाले हिस्से आरसीपीएल का हाल के महीनों में तीसरी बड़ी एंडोर्समेंट डील है। इससे पहले अप्रैल में, कैंपा ने अभिनेता राम चरण को अपना चेहरा बनाया था। उनका कैंपेन आईपीएल टी20 सीजन के दौरान शुरू हुआ था। दो महीने पहले आरसीपीएल ने अभिनेता और रेसर अजीत कुमार की मोटरस्पोर्ट टीम के साथ एक बड़ी साझेदारी की थी। पैकेज्ड पानी उन कैटेगरी में से एक है, जिस पर सितंबर में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कम किया था। प्राकृतिक या कृत्रिम मिनरल वाटर पर टैक्स 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया था।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट के संकेत

● जून 2026 तक घटकर 50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले महीने में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार कच्च तेल की कीमतें जून 2026 तक घटकर 50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकती है।

एसबीआई ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ते भंडार और कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच 2026 में कच्चे तेल की कीतमों के लिए समग्र दृष्टिकोण मौजूदा स्तरों से और कमजोर हो रहा है। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि 2026 की पहली तिमाही में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें 55 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती हैं।

भारतीय कच्चे तेल की कीमतों में आ सकती है नरमी: वैश्विक और घरेलू कच्चे तेल की कीमतों के बीच मजबूत संबंध को देखते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कच्चे तेल की कीमतों में भी इसी तरह की नरमी आने की उम्मीद है, जिसका ब्रेंट क्रूड के साथ 0.98 का सहसंबंध है। इसके परिणामस्वरूप, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से संकेत मिलता है कि आने वाले महीनों में भारतीय तेल भंडार में और नरमी आएगी। मूविंग एवरेज विश्लेषण के अनुसार, मौजूदा स्तर पर भारतीय क्रूड कीमतें 50-पीरियड और 200-पीरियड दोनों मूविंग एवरेज से नीचे ट्रेंड कर रही हैं। यह तकनीकी संकेत मौजूदा 62.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आगे कीमतों में कमजोरी की संभावना को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में संभावित गिरावट का भारत की महंगाई दर पर सकारात्मक असर पड़ सकता है।

11 प्रतिशत चढ़ गए क्यूपिड के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंडोम कंपनी क्यूपिड के शेयर में आज मंगलवार, 6 जनवरी को जबरदस्त तेजी देखी गई। भारतीय शेयर बाजार में जहां एक ओर कमजोरी का माहौल रहा, वहीं स्मॉल-कैप और मल्टीबैगर स्टॉक क्यूपिड ने निवेशकों को चौंका दिया। दो दिन की गिरावट के बाद क्यूपिड के शेयरों में जोरदार वापसी देखने को मिली और इंट्राडे कारोबार में यह करीब 11 फीसदी तक चढ़ गया। खास बात यह रही कि बीएसई और एनएसई दोनों पर खरीद ऑर्डर की संख्या बिकवाली के मुकाबले लगभग दोगुनी रही, जिससे साफ संकेत मिला कि स्टॉक में फिर से खरीदारी लौट आई है।

बीएसई और एनएसई: कारोबार के दौरान क्यूपिड का शेयर बीएसई पर 394 के दिन के उच्च स्तर तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव 390.10 से करीब 10.98 फीसदी ज्यादा है। दूसरी ओर, बाजार का माहौल बिल्कुल उलटा रहा।

बड़ी आबादी का लाभ उठाने के लिए 10 करोड़ नई नौकरियां जरूरी, नैसकॉम समेत तीन संगठनों ने शुरू की पहल

भारत की कामकाजी आबादी हर साल 1.2 करोड़ बढ़ रही है

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की विशाल आबादी का लाभ उठाने के लिए 10 करोड़ नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। उद्योग जगत के वरिष्ठ नेताओं के एक समूह ने हंड्रेड मिलियन जॉब्स नामक राष्ट्रीय पहल की घोषणा की है। इसका उद्देश्य अगले दशक में देश में 10 करोड़ नौकरियां सृजित करना है। भारत तेज आर्थिक विकास के बावजूद अपर्याप्त रोजगार की समस्या से जूझ रहा है। पहल की घोषणा नैसकॉम के सह-संस्थापक हरीश मेहता, द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) के संस्थापक ए जे पटेल और सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) के संस्थापक के यतीश राजवत ने की। संस्थापकों ने कहा, भारत की कामकाजी आबादी हर साल 1.2 करोड़ बढ़ रही है।विनिर्माण जैसे पारंपरिक रोजगार स्रोतों के विस्तार में कठिनाई हो रही है। नए प्रवेशकों को समायोजित करने और विशाल आबादी का लाभ उठाने के लिए देश को सालाना 8-9 करोड़ नौकरी सृजन की जरूरत है। राजावत ने भारत की रोजगार समस्या को प्रणालीगत चुनौती बताया। कहा, यह मिशन सात स्तंभों वाले ढांचे पर आधारित है, जिसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए डिजाइन किया गया है। स्टार्टअप और लघु उद्यम सबसे बड़े नियोक्ता हैं। उन्हें बड़े शहरों से आगे बढ़कर विस्तार करना होगा। प्रणाली आधारित प्रयास मेहता ने कहा, 10 करोड़ नौकरी एक प्रणालीगत प्रयास है। इसका उद्देश्य कौशल, उद्यम, डाटा और नीति समन्वय से रोजगार सृजनकर्ताओं उद्यमियों और नियोक्ताओं को सशक्त बनाना है।

ऑटोमेशन और एआई व्यापार मॉडल को नया रूप दे रहे हैं

सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत में रोजगार वृद्धि उत्पादन विस्तार की तुलना में धीमी रही है। ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व्यापार मॉडल को नया रूप दे रहे हैं। ये सभी क्षेत्रों में शुरुआती स्तर के पदों को कम कर रहे हैं। इससे इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि आर्थिक विकास व रोजगार सृजन के बीच अंतर और भी गहरा हो सकता है। 2025 में प्रौद्योगिकी उद्योग ने एआई के कारण उत्पन्न व्यवधान और छंटनी का सामना किया। अगर भविष्यवाणियां सच होती हैं, तो अगला उद्योग जहां नौकरियों में कटौती देखने को मिल सकती है, वह बैंकिंग क्षेत्र हो सकता है। अनुमान के मुताबिक, एआई को तेजी से अपनाने और शाखाएं बंद करने से अगले पांच वर्षों में दो लाख से अधिक यूरोपीय बैंकिंग नौकरियां खत्म हो सकती हैं। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि यूरोपीय बैंक 2030 तक 10 फीसदी नौकरियां कम कर सकते हैं।

OFFICE OF THE BLOCK MEDICAL OFFICER NALAGARH, DISTT-SOLAN H.P

ADVERTISEMENT NOTICE

Applications are invited from the desirous and eligible candidate to be engaged as ASHA in NHM areas under Health Block Nalagarh of the District Solan under National Health Mission HP. The selection will be made on the basis of direct interview at respective areas. ASHA will be a health activist in the community who will create awareness on health and its social determinations and mobilize the community towards. Local health planning and increased utilization and accountability of existing health services. The candidate who fulfill the requisite qualification and age criteria may apply to the Block Medical Officer Nalagarh Distt-Solan H.P on or before 12th January 2026 up to 04:00 PM on the prescribed application form which is appended below:-

Criteria for selection:-

1. The candidate must be a woman resident of the ward/village/area for which she has applied for.
2. She should be preferably Married/Widow/Divorced/Separated.
3. She must be in the age group between 25 to 45 years on or before, 31/12/2025.
4. She should be literate with formal education of at least 8th class for Rural &at-least 10th class for urban areas (Non-NUHM).
5. She should have effective communication skills with language fluency of the area/population she is expected to cover and have good leadership qualities& be able to reach out to the community.
6. She should have family & social support to enable her to find the time to carry out her tasks.
7. The candidate may apply neatly hand Written/Typed strictly as per the Application Format.
8. The candidate should collect the application format from the office of Block Medical Officer Nalagarh, Distt, Solan.H.P.

The detail of Panchayat wise distribution of "NRHM" area "ASHAS"

Sr No.	Name of Block	Name of Gram Panchayat	Name of ward/halmet where ASHA is required	No. of ASHA to be recruited	Application to be submitted on below address.
1	Nalagarh	Lunas	Rajwain	1	To
2		Saur	Saur	1	
3		Malaini	Chunari (Thala)	1	The Block Medical Officer
4		Bhiyunkhari	Sanog	1	Nalagarh, Distt-Solan H.P
5		Sunna	Doli	1	
	Total			**5**	

- Application to be submitted on the above mentioned address under sealed cover subscribing application for the post of "ASHA" (Non NUHM for Rural area).
- Eligible candidate shall be called for interview in office of Block Medical officer Nalagarh, Distt-Solan H.P on dated-16/01/2026 at 10:00 AM. No T.A/D.A shall be paid for appearing in the interview.
- How to apply:- Interested candidates may submit their duly filled application form along with self-attested copies of relevant documents to the office of the Block Medical Officer, Nalagarh on or before 12/01/2026 during office hours. Incomplete or late applications will not be entertained.
- Right to claim Regular Appointment:- Any candidate engaged as ASHA shall have not right to claim regularization/ absorption/appointment as regular Govt. employee of the H.P State Govt.
- The Block Medical Officer Nalagarh reserves the right to postpone, or modify the advertisement or the selection process without assigning any reason.

R.No. 5461/2025-2026

Block Medical Officer
Nalagarh, Distt Solan H.P.

दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां लग्ज़री जैसा कुछ भी नहीं है. यहां की हर एक चीज़ अतरंगी है. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

दुनिया का सबसे छोटा एयरपोर्ट

स्कैनिंग मशीन तक नहीं

एयरपोर्ट का नाम लेते ही ऐसी लग्ज़री वाली फीलिंग आती है. हालांकि दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां की हर एक चीज़ अतरंगी है.

एक समय था, जब लोगों के लिए एक जगह से दूसरी जगह तक यात्रा करना भी एक लग्ज़री होती थी. खासतौर पर अगर कोई हवाई जहाज से कहीं जाता था, तो ये शान की बात होती थी. हालांकि वक्त बदलने के साथ ही हुआ कुछ यूं कि लोगों के लिए ये सब कुछ सामान्य सा होता चला गया. हालांकि आज भी एक ऐसा एयरपोर्ट है, जो लग्ज़री यात्रा तो ऑफर करता है लेकिन एयरपोर्ट पर ऐसा कुछ भी नहीं है.

एयरपोर्ट का नाम लेते ही ऐसी लग्ज़री वाली फीलिंग आती है. यहां चेक इन करने के बाद से ऐसी हाई क्लास सुविधाएं मिलती हैं कि इंसान का इंतज़ार भी एक हैप्पी ट्रिप में बदल जाता है. हालांकि दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां लग्ज़री जैसा कुछ भी नहीं है. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

ये एयरपोर्ट थोड़ा अलग है

रिपोर्ट के मुताबिक कोलंबिया के अगुआचिका नाम की जगह पर हैकारिटैमा एयरपोर्ट है, जो दुनिया भर में अपने कम जगह में बने होने की वजह से मशहूर है.

इस एयरपोर्ट पर सिर्फ दो वेटिंग एरिया हैं – एक जब आप यहां पहुंचते हैं और दूसरा जहां आपका सामान चेक होता है. यहां पर सामान चेक करने के लिए कोई स्कैनर नहीं है, बल्कि इसे मैनुअली चेक किया जाता है. दरअसल यहां स्कैनर मशीन की जगह ही नहीं है. जब लोग एयरपोर्ट पर आते हैं, तो उन्हें धूप में ही लाइन लगाकर इंतज़ार करना पड़ता है.

आम के पेड़ के नीचे वेटिंग एरिया

यहां पर इंतज़ार करने के लिए कोई आलीशान वेटिंग रूम नहीं है, बल्कि लोग आम के पेड़ के नीचे बनी बेंच पर इंतज़ार करते हैं. पुरुषों और महिलाओं के लिए एक-एक वेटिंग रूम है. चूंकि यहां सिर्फ 48 पैसेंजर ही होते हैं, इसलिए ये साफ-सुथरा होते हैं. प्लेन भले ही यहां पर छोटी ही हो, लेकिन सीटें काफी आरामदेह होती हैं. आपको अपना सामान डेस्टिनेशन पर लेने के लिए एक टिकट दिया जाता है, जिसे दिखाना होता है.

6 दिन बिना सांस लिए और सालभर बिना खाए जिंदा रह सकता है बिच्छू

हम सब जानते हैं कि हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की ज़रूरत होती है और इसके बिना ज़िंदगी संभव नहीं है. हालांकि एक जीव ऐसा भी है, जो 6 दिन बिना सांस लिए ज़िंदा रह सकता है.

दुनिया में आपने बहुत तरह के जीवों के बारे में पढ़ा और सुना होगा. हर जीव की अपनी खासियत होती है. कोई किसी चीज़ में अच्छा होता है तो कोई किसी चीज़ में बुरा. कई बार ऐसा भी होता है कि आप किसी खास जीव को उसकी विशेषता के बारे में जानते हैं. एक ऐसे ही दिलचस्प जीव के बारे में आज बताएंगे, जिसकी खासियत ही अलग है.

हमारी ज़िंदगी में सांस लेना कितना महत्वपूर्ण है, ये हम सभी जानते हैं. बिना सांस लिए तो हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं. हालांकि एक जीव ऐसा भी है, जो 6 दिन बिना सांस लिए ज़िंदा रह सकता है. इसको कुदरत ने बनाया ही कुछ ऐसा है कि वो अपना सांस लंबे वक्त तक रोक सकता है.

6 दिन बिना सांस लिए रह सकता है जीव

हम जिस जीव के बारे में बात कर रहे हैं, वो बिच्छू है. बिच्छू के फेफड़ों की बनावट ही कुछ ऐसी होती है कि वो लंबे वक्त तक अपनी सांस रोक सकता है. इस तरह के फेफड़ो को बुक लंग्स कहा जाता है. इनका आकार किताब के मुड़े हुए पन्नों की तरह होता है, इसीलिए उन्हें ये नाम दिया गया है. उनके फेफड़ों में अच्छी मात्रा में हवा रुक सकती है और ये सांस लेने की क्रिया के दौरान भी होता रहता है. यही वजह है कि हवा की रिज़र्व मात्रा रहने की वजह से वो 6 दिन तक बिना हवा को एक्सचेंज किए हुए भी ज़िंदा रह सकते हैं.

सालभर खाने की भी नहीं ज़रूरत

इतना ही नहीं इस जीव के बारे में दिलचस्प बात ये भी है कि ये पूरा एक साल बिना भोजन के गुज़ार सकते हैं. वे पानी भी बहुत कम पीते हैं, लेकिन इन्हें ज़िंदा रहने के लिए पानी की ज़रूरत होती है. ये किसी भी सतरह पर आराम से चढ़ सकते हैं और जब ये किसी अल्ट्रावायलेट लाइट के नीचे पड़ते हैं, तो चमकने लगते हैं.

सायनाइड से भरी पड़ी है यह खारी झील

साइंटिस्ट के लिए है रहस्य

मोनो झील एक मनमोहक प्राचीन खारी झील है. इसे अनोखे जीव, वैज्ञानिक महत्व, और आश्चर्यजनक सूर्यास्त के नजारों के लिए जाना जाता है. यह पक्षी देखने वालों के लिए स्वर्ग है और कलाकारों और फ़ोटोग्राफरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है. हाल ही में यहां एक पुरातन जीव पाया गया है.

कैलिफोर्निया के पूर्वी सिएरा नेवादा में स्थित मोनो झील वास्तव में देखने लायक है. पानी का यह अनोखा और मनमोहक पिंड दुनिया में किसी और जैसा नहीं है, जो प्रकृति प्रेमियों और फ़ोटोग्राफरों की कल्पना को समान रूप से आकर्षित करता है. इसका शानदार फिरोजा रंग, टूफा टावर्स नाम की अनोखी चूना पत्थर की संरचनाएं और क्षारीय पानी इसे देखने लायक बनाते हैं. मोनो झील एक प्राचीन खारी झील है, जिसका इतिहास दस लाख साल से भी ज्यादा पुराना है. यह उत्तरी अमेरिका की सबसे पुरानी झीलों में से एक है और इसमें नमक की मात्रा मृत सागर के समान ही अधिक है. झील का बहुत ज्यादा खारापन इसे अधिकांश मछली प्रजातियों के लिए नाकाबिल बनाती है, लेकिन यह अद्वितीय नमकीन झींगा और क्षारीय मक्खियों के लिए एक बढ़िया जगह है. मोनो झील अपने खौफनाक और मनमोहक टूफा टावरों के लिए मशहूर है. ये अनोखी कैल्शियम कार्बोनेट संरचनाएं पानी की सतह से ऊपर उठती हैं, जिससे एक ऐसा अद्भुत और आश्चर्यजनक नजारा बनता है जो दुनिया में किसी और से अलग है. टूफा टावर मीठे पानी के झरनों और झील के क्षारीय पानी के मिलने से बनते हैं. मोनो झील 80 से ज़्यादा प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों के लिए घोंसला बनाने की एक खास जगह है, जो इसे पक्षी देखने वालों के लिए स्वर्ग बनाती है. हर साल, हजारों पक्षी मोनो झील में आते हैं, जिनमें प्रतिष्ठित कैलिफ़ोर्निया गल, विल्सन का फलारोप और स्ट्रोई प्लोवर शामिल हैं.

यह वास्तव में पक्षी प्रेमियों का स्वर्ग है

अगर मोनो झील खूबसूरत नजारों के लिए जानी जाती है, तो वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए भी कम दिलचस्प नहीं है. यह एक भूवैज्ञानिक चमत्कार है, जो हैरतअंगेज पर्वत श्रृंखलाओं और ज्वालामुखीय विशेषताओं से घिरा हुआ है. यह लॉन्ग वैली काल्डेरा में स्थित है, जो एक विशाल ज्वालामुखीय गड्ढा है जो 700,000 साल पहले बना था. सूर्यास्त के समय मोनो झील पर जाना वास्तव में एक जादुई अनुभव है. लेकिन ऐसा नहीं है कि यहां सूर्योदय के समय के नजारे कम हैं.आसमान में जीवंत रंगों के प्रतिबिंब एक मनमोहक दृश्य बनाते हैं, जो टूफा टावरों के सिल्हूट से और भी अधिक सुंदर हो जाते हैं. यह एक फोटोग्राफरों का स्वर्ग है और यहां कि आपको प्रकृति की सुंदरता से विस्मित कर देता है.

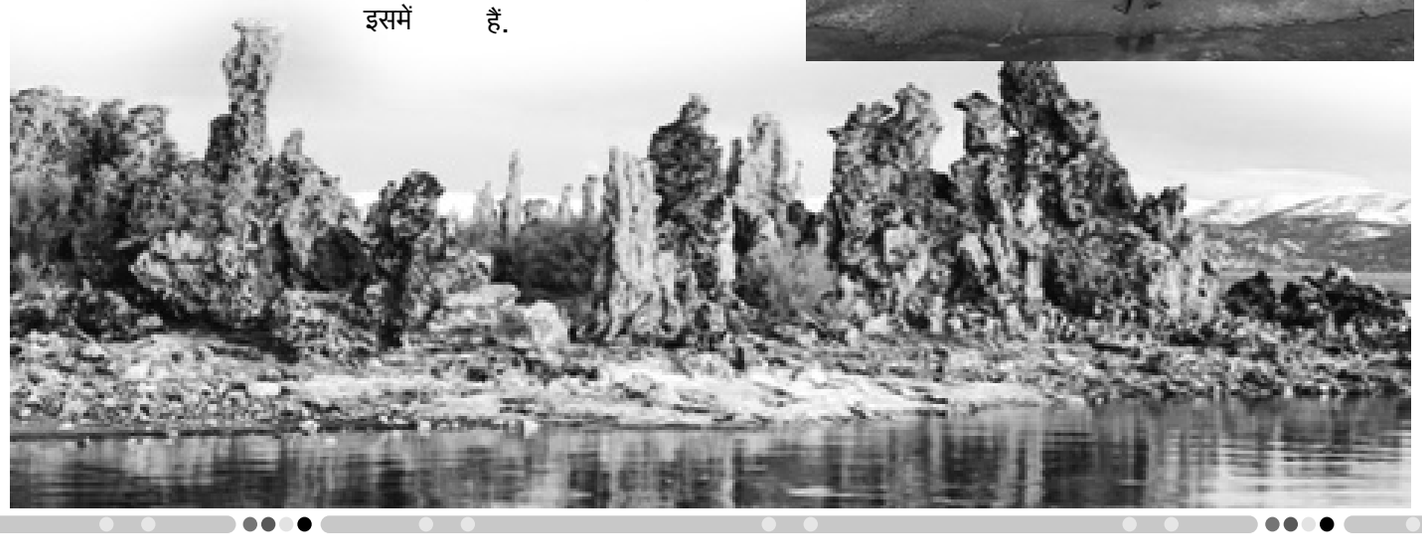

नीली जीभ से पहचानी जाती है ये बड़ी छिपकली, पाली भी जा सकती हैं

नीली जीभ वाली स्किंक देखने में खतरनाक लगती है, लेकिन हैरानी की बात ये है इस छिपकली को पाला भी जा सकता है. लेकिन इसे पालना आसान नहीं हैं क्योंकि इसे रखते समय सावधानी बरतनी होती है क्योंकि यह ऊंगली को भी खाना समझ कर काट सकती है.

दुनिया में कई जानवर आकार तो कुछ अपने अजीब से आकृति या रंग के लिए अजीब से लगते हैं. ऐसा ही एक जानवर है नीली जीभ वाली स्किंक. वैसे तो यह एक प्रकार की छिपकली है और दो फुट का आकार इसे अपने आप में खास बनाता है, लेकिन यह अपनी खास और अलग ही तरह की नीले रंग की जीभ से ज्यादा पहचानी जाती है. इस जीभ के कई उपयोग होते हैं. लेकिन इस जानवर का सबसे रोचक पहलू यही है कि इसे पाला जा सकता है. स्किंक छिपकली की प्रजाति के जानवर होते हैं. उनके पैर आम छिपकली से छोटे, औरगर्दन कम लचीली होती है. नीली जीभ के स्किंक की उम्र करीब 30 साल तक की होती है. इनकी लंबाई करीब 2 फुट तक की और भार आधा किलोग्राम तक का होता है. छिपकली जैसा शरीर तो पीले, लाल और कत्थई रंग का होता है, लेकिन अगर आप केवल मुंह देखने को आपको उनके सांप होने का धोखा हो सकता है.

अगर आपको लगता है कि नीली जीभ के स्किंक की जीभ का केवल रंग ही नीला है और इसके अलावा उसमें कुछ खास नहीं है तो आप गलत हैं. यह जीभ पराबैंगनी प्रकाश को परावर्तित यानी रिफ्लेक्ट कर सकती है. जो जानवर ऐसी किरणों को देख पाते हैं, उनके लिए तो इस स्किंक की जीभ बहुत ही चमकीली लगती है. यह गुण स्किंक को दूसरे शिकारियों और अन्य स्किंक प्रतियोकियों से बचाता है. नीली जीभ के स्किंक की जीभ का केवल यही उपयोग नही है. इसके जरिए वे अपने परिवार की अन्य छिपकलियों के बीच लंबी दूरी के संचार भी कर सकती हैं. इसकी वजह ये है कि इस जीभ को दूर से देखना बहुत आसान है, जो सबसे चमकीली जीभ वाले स्किंक को कई फायदे दे सकता है. इससे रक्षा करने में मदद मिलती है.

झाड़ीवाले इलाके में रहने वाले नीली जीभ के स्किंक ऑस्ट्रेलिया, न्यू गुयाना और इंडोनेशिया में अधिक पाये जाते हैं. ये फल फूल के अलावा कई तरह के पक्षी और जानवर खाते हैं. लेकिन ये छिपकर ही शिकार करते हैं और बहुत ज्यादा फुर्तीले नहीं होते हैं, बल्कि बहुत ही धीमी गति से चलने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन ये शहरी वातावरण में खुद को ढाल लेते हैं और ट्रैफिक से बच कर रहना सीख जाते हैं. नीली जीभ के स्किंक की खास बात ये होती है कि ये अपने ही परिवार यानी भाई बहनों के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाते हैं. ऐसे ये करते कैसे हैं यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए रहस्य है, लेकिन ये साथी चुनने में बहुत सावधानी बरतते हैं और नर एक ही मादा के साथ हमेशा रहते हैं जो इन जानवरों के साथ होना एक चौंकाने वाला गुण है. सबसे खास बात नीली जीभ के स्किंक के बारे में यही है कि उन्हें पाला जा सकता है, बल्कि पाला भी जाता है. वे शहरी वातावरण में रह सकते हैं. इनका रखरखाव आसान और सस्ता होती है. इनकी देखभाल भी तुलनात्मक तौर से आसान होती है. इन्हें हाथ से खिलाना तो आसान होता है, लेकिन कई बार ये ऊंगलियों को ही खाना समझ कर काट लेते हैं. ऐसे में सावधानी की जरूरत होती है.

श्रेयस अय्यर ने फिटनेस साबित की

● विजय हजारे ट्रॉफी में फिफ्टी लगाई, सिराज ने 3 विकेट झटके, मयंक अग्रवाल का शतक

जयपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर (82 रन) ने विजय हजारे ट्रॉफी में हाफ सेंचुरी जमाकर अपनी फिटनेस साबित कर दी है। वे जयपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया में चुना गया है, हालांकि वे उनका खेलना फिटनेस साबित करने पर निर्भर है।

अय्यर के अलावा, सूर्यकुमार यादव 24 रन, मुशीर खान 73 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में यशस्वी जायसवाल 15 और सरफराज खान 21 रन बनाए। मुंबई ने 33 ओवर में 299 रन बनाए। वहीं, गोवा के खिलाफ 212 रन चेज कर रही पंजाब के ओपनर प्रभसिमरन सिंह 2 और भारतीय कप्तान शुभमन गिल 11 रन बनाकर आउट हुए। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर 65/3 है। इधर, अहमदाबाद में कर्नाटक ने राजस्थान के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 324 रन बनाए। कप्तान मयंक अग्रवाल 100 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल (91 रन) महज 9 रन से सेंचुरी चूक गए हैं। वे लगातार तीन सीजन में 300 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बैटर बने।

किसने किसे हराया?

● बेंगलुरु में दिल्ली ने रेलवे को 6 विकेट से हराया। ● अहमदाबाद में केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया। ● बेंगलुरु में गुजरात ने ओडिशा को 233 रन से हराया।

प्लेट ग्रुप फाइनल में मणिपुर 169 पर ऑलआउट, शाबिर की हैट्रिक- रांची में चल रहे प्लेट ग्रुप के फाइनल में मणिपुर की टीम 47.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई है। बिहार के शाबिर खान ने हैट्रिक सहित 7 विकेट झटके। उन्होंने 8 ओवर की गेंदबाजी में 30 रन दिए।

ओडिशा 100 पर सिमटा, गुजरात ने 233 रन से हराया- गुजरात ने ओडिशा को 233 रन के बड़े अंतर से हराया। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-111 मैदान पर ओडिशा ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी।गुजरात ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 333 रन बनाए। जवाब में ओडिशा की टीम 28.1 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। सीजी गाजा ने 6 विकेट झटके।

केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी मोटोरा स्टेडियम में केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया। टीम ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी और पुडुचेरी को 47.4 ओवर में 247 रन पर ऑलआउट कर दिया।टीम ने 248 रन का टारगेट 28 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। विष्णु विनोद ने नाबाद 162 रन की पारी खेली। जबकि बी अपराजित ने नाबाद 63 रन बनाए। संजू सैमसन 11 रन बनाकर आउट हुए।

बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का निधन

कोलकाता (एजेंसी)। बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने पीटीआई को दी।

वे 67 साल के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी हैं। कोलकाता के कोठारी का 10 दिन पहले चेन्नई से 600 किलोमीटर दूर तिरुनेलवेली के कावेरी अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था।

डोप टेस्ट में फेल हुए पूर्व आरसीबी तेज गेंदबाज राजन

घरेलू क्रिकेट खेलने पर भी लगी रोक

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय घरेलू क्रिकेट एक बार फिर डोपिंग विवाद से हिल गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी के पूर्व तेज गेंदबाज राजन कुमार को प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने

अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। 29 वर्षीय यह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उत्तराखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

किन प्रतिबंधित दवाओं में फंसे रजत कुमार

एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजन कुमार के डोप सैंपल में तीन प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए—ड्रोस्टानोलोन, मेटेनोलोन (दोनों एनाबॉलिक स्टेरॉयड) और क्लोमीफीन, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन स्तर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। नियमों के तहत रिपोर्ट आते ही नाडा ने उन पर तुरंत अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन

राजन कुमार ने आखिरी बार 8 दिसंबर 2025 को अहमदाबाद में दिल्ली के खिलाफ उत्तराखंड की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुकाबला खेला था। वह इस टूर्नामेंट में उत्तराखंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। हालांकि, अब तक उन्होंने इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और यह भी साफ नहीं है कि वह 'बी सैंपल' की जांच की मांग करेंगे या नहीं।

आरसीबी से घरेलू स्टार तक का सफर

हरिद्वार में जन्मे राजन कुमार को आईपीएल 2023 की नीलामी में आरसीबी ने 70 लाख रुपये में खरीदा था और 2024 सीजन में भी टीम ने उन्हें रिटेन किया, हालांकि उन्हें आईपीएल डेब्यू का मौका नहीं मिल सका। इसके बावजूद घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा था। टी20 क्रिकेट में रजत ने 26 मैचों में 32 विकेट, लिस्ट-ए में 9 मैचों में 14 विकेट (एक पारी में पांच विकेट सहित) और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 4 मैचों में 8 विकेट चटकाए हैं।

भारतीय क्रिकेट में क्यों अहम है यह मामला

भारतीय क्रिकेट में डोपिंग के मामले बेहद कम सामने आते हैं, इसी वजह से यह प्रकरण खासा गंभीर माना जा रहा है। इससे पहले 2019 में पृथ्वी शॉ और 2020 में मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर अंशुला राव पर डोपिंग के आरोप लगे थे। हर मामला यह दिखाता है कि नियमों की अनदेखी या अनजाने में हुई गलती भी करियर पर भारी पड़ सकती है।

आगे क्या होगा राजन कुमार का भविष्य

अब राजन कुमार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह 'बी सैंपल' टेस्ट करवाते हैं या नहीं और नाडा की अनुशासनात्मक प्रक्रिया किस दिशा में जाती है। फिलहाल उनका निलंबन जारी रहेगा और वे किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 134 रन की बढ़त

इंग्लैंड के 384 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया 518/7 सिडनी में हेड और स्मिथ का शतक

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले जा रहे एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 129 और ब्यू वेबस्टर 42 रन बनाकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी को ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने मजबूती दी। हेड ने दिन के पहले सेशन में जोश टंग की गेंद पर कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन की पारी खेली, जिसमें 24 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

121 रन पर मिला जीवनदान

हेड को 121 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे ब्रायडन कार्स की गेंद पर विल जैक्स ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। मैथ्यू पॉट्स के एक ओवर में उन्होंने लगातार तीन चौके भी लगाए।

स्मिथ का सिडनी में 5वां टेस्ट शतक

स्टीव स्मिथ ने 166 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 95 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। यह स्मिथ का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवां टेस्ट शतक है। इस मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रिकॉर्ड अब भी रिकी पोंटिंग के नाम है, जिन्होंने यहां 6 शतक लगाए हैं।

एनाबेल सदरलैंड ने दीप्ति शर्मा से छीना नंबर-1 का ताज, कप्तान हरमनप्रीत को भी हुआ फायदा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी की ताजा टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान दोबारा से हासिल कर लिया है। भारत की श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आखिरी टी20आई मैच में 15 रन से मिली जीत के बाद एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। वहीं, दीप्ति शर्मा एक स्थान का नुकसान झेलकर दूसरे पायदान पर खिसक गई हैं। ऐसे में जानते हैं आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में क्या-क्या बदलाव हुआ?

एनाबेल सदरलैंड नंबर-1 गेंदबाज बनीं

दरअसल, आईसीसी महिला टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड 736 रेटिंग के साथ टॉप पर पहुंच गई हैं। दूसरे पायदान पर भारतीय टीम की बॉलर दीप्ति शर्मा 735 रेटिंग के साथ खिसक गई। पाकिस्तान की सदिया इकबाल 732 रेटिंग के साथ तीसरे पायदान, इंग्लैंड की सोफी एक्लिस्टन 727 रेटिंग के साथ मौजूद है। इंग्लैंड की लॉरेन बेल 714 रेटिंग के साथ पांचवें पायदान पर विराजमान है।

ताजा रैंकिंग में भारत की रेणुका सिंह ठाकुर को पांच स्थानों का नुकसान झेलना पड़ा है। रेणुका 698 रेटिंग के साथ 11वें पायदान पर लुढ़क गई हैं, जबकि राधा यादव को भी दो स्थानों का नुकसान झेलना पड़ा और वह 18वें स्थान पर पहुंच गई।

कप्तान हरमनप्रीत कौर को फायदा

भारत बनाम श्रीलंका महिला टीम के बीच 30 दिसंबर 2025 को खेले गए आखिरी टी20आई मैच में तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़ा। अब आईसीसी की टी20आई रैंकिंग में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दो स्थानों की छलांग के साथ 13वां पायदान (634) हासिल कर लिया है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 43 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन की पारी खेली, जिसका उन्हें फायदा मिला। इस पारी के दम पर भारतीय टीम 7 विकेट खोकर 175 रन का स्कोर बना सकी। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की ओपनर हसिनी परेरा ने 42 गेंद पर 65 रन की पारी खेली और चमारी अट्टापट्टू के जल्दी विकेट गिरने के बाद टीम की पारी को संभाला।

आईसीसी महिला टी-20 ऑलराउंडर्स की मौजूदा रैंकिंग

आईसीसी महिला टी20आई ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में टॉप पर हेले मैथ्यू 505 रेटिंग के साथ मौजूद है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर 434 रेटिंग के साथ दूसरे पायदान पर है। दीप्ति शर्मा 382 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर विराजमान है। बता दें कि दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आखिरी टी20आई मैच में 28 रन देकर एक विकेट लिया था, जिसके बाद वह रैंकिंग में नंबर-3 पर ही बने हुए हैं। वहीं, अरुंधाती रेड्डी, जिन्होंने 27 रन की नाबाद पारी खेली थी, उन्होंने एक विकेट भी झटका था। इस प्रदर्शन के बाद वह आईसीसी ऑलराउंडर्स टी20आई रैंकिंग में 21 स्थान की उछाल के साथ 44वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में कौन होगा भारत का एक्स फैक्टर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आगामी टी20 विश्व कप को लेकर टीम इंडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या भारत के सबसे अहम और निर्णायक खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, न कि जसप्रीत बुमराह या अभिषेक शर्मा।

टीम इंडिया की गहराई ने किया प्रभावित- अपने यूट्यूब चैनल 'एबी डिविलियर्स 360' पर टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का विश्लेषण करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि भारतीय टीम के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी

एबी डिविलियर्स की लिस्ट में बुमराह-अभिषेक नहीं

दोनों में शानदार संतुलन है। उन्होंने कहा, इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं, जिससे कप्तान को टीम कॉम्बिनेशन में काफी लचीलापन मिलता है। डिविलियर्स ने ओपनिंग संयोजन पर भी बात की और अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ऋषभ पंत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी इस बार टीम में जगह नहीं बना पाए।

हार्दिक क्यों हैं गेम चेंजर?

एबी डिविलियर्स ने हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया का निर्णायक खिलाड़ी बताते हुए कहा, हार्दिक वह खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद, दोनों से मैच जिता सकते हैं। वह किसी भी परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजी क्रम में कहीं भी फिट हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हार्दिक बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव साफ दिखता है। उन्होंने कहा, जब हार्दिक क्रीज पर आते हैं, तो विरोधी टीम को लगता है कि अगर वह तीन-चार ओवर भी टिक गए, तो मैच हाथ से निकल सकता है।

गेंद से भी उतना ही खतरनाक असर- डिविलियर्स ने यह भी कहा कि हार्दिक गेंद के साथ भी उतने ही प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, जब वह गेंदबाजी के लिए आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनके पास गोल्डन आर्म है और वह कभी भी साझेदारी तोड़ सकते हैं। हार्दिक पांड्या का हालिया प्रदर्शन भी उनके इस बयान को मजबूती देता है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 133 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए अपना पहला लिस्ट-ए शतक लगाया, जिसमें 11 छक्के शामिल थे।इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तीन पारियों में 142 रन बनाए, वो भी 186 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से।

सिराज बदकिस्मती का शिकार हुए- डिविलियर्स ने यह भी कहा है कि मोहम्मद सिराज उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं बना सके। डिविलियर्स ने हालांकि यह भी साफ किया कि गेंदबाजी के लिहाज से भारत की टीम में सभी पहलुओं को कवर किया गया है।

डिविलियर्स ने भारतीय गेंदबाजों की तारीफ की

डिविलियर्स ने कहा आपके पास बुमराह और अर्शदीप हैं, वहीं हर्षित राणा बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसी वजह से हर्षित को चुना गया, क्योंकि सिराज एक शुद्ध गेंदबाज हैं और टीम सीम गेंदबाजी पर ज्यादा फोकस नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, इस टीम का मुख्य फोकस स्पिन पर है। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती हाल के टी20 मैचों में शानदार रहे हैं। अगर तेज गेंदबाज शुरुआत में विकेट दिला देते हैं, तो उसे टीम बोनस की तरह देखती है।

हार्दिक रखते हैं मैच पलटने की क्षमता

डिविलियर्स ने यह भी जोड़ा, जब बुमराह का दिन शांत रहता है, तब कुलदीप चार विकेट ले लेते हैं। फिर बीच के ओवरों में हार्दिक आकर मैच का रुख पलट देते हैं। चैंपियन टीमें ऐसी ही होती हैं और भारत के पास सभी विकल्प मौजूद हैं। टीम इंडिया ग्रुप-ए में अमेरिका, नामीबिया, नीदरलैंड्स और पाकिस्तान के साथ शामिल है और सात फरवरी से मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

एसए-20 में सनराइजर्स केप ने प्रिटोरिया को पहली बार हराया

डी कॉक-बेयरस्टो की शतकीय साझेदारी; सनराइजर्स टॉप पर

सेंचुरियन (एजेंसी)। एसए-20 के चौथे सीजन में सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को पहली बार हराया। क्विंटन डी कॉक और जॉनी बेयरस्टो की नाबाद शतकीय साझेदारी की बदौलत टीम ने 177 रन का टारगेट महज 14.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप 17 अंकों के साथ एक बार फिर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए क्विंटन डी कॉक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। ओपनर कॉनर एस्टरह्यूजन ने 33 गेंदों पर 52 रन बनाए, जबकि शरफेन रदरफोर्ड ने 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की तेज पारी खेली। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। सनराइजर्स की ओर से एनरिक नॉर्टजे ने अपने पुराने घरेलू मैदान पर 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। लुईस ग्रेगरी ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 1 विकेट झटका।

बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर लिया

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। डी कॉक ने 41 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं, बेयरस्टो ने 44 गेंदों में 85 रन की पारी खेली और 8 चौके व 6 छक्के जड़े। बेयरस्टो ने स्पिनर केशव महाराज के एक ही ओवर में पांच छक्के और एक चौका लगाकर 34 रन बटोरे। यह ओवर एसए20 इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

रोहित-हरमनप्रीत जैसे दिग्गज रहे मौजूद थे

नीता अंबानी ने किया विश्व विजेताओं को सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने सोमवार को भारत के विश्व कप विजेताओं को सम्मानित किया। मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टीसी और पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की गई और उनके योगदान को देश के लिए गर्व का विषय बताया गया।

रोहित के नेतृत्व में भारत बना विजेता, सूर्या ने दिलाया एशिया कप का खिताब

साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार रहा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 12 साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था। इससे पहले टीम इंडिया ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। भारत ने 2025 में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी।

कांग्रेस का दुष्प्रचार बेनकाब, श्रमिकों और गांवों के विकास के लिए वीबी-जी रामजी योजना ऐतिहासिक कदम : मोहन लाल बड़ौली

- 2014 से अक्टूबर 2025 तक हरियाणा में श्रमिकों को 5,243 करोड़ रुपये का भुगतान : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली
- मनरेगा के मुकाबले जीरामजी योजना से श्रमिकों को मिलेगा 10 हजार रुपये अतिरिक्त लाभ : पंडित मोहन लाल बड़ौली

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी रामजी योजना को लेकर जानबूझकर भ्रम और दुष्प्रचार फैला रही हैं। जबकि यह योजना श्रमिकों के कल्याण और गांवों के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है।

मंगलवार को रेलवे रोड स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सोनीपत में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि यूपीए शासनकाल में मनरेगा का उद्देश्य टिकाऊ और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण न होकर केवल खानापूर्ति तक सीमित रह गया था। उस दौर में यह योजना भ्रष्टाचार, फर्जी परियोजनाओं और धन की लूट का माध्यम बन गई थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि बीते एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाएं, डीबीटी, आधार लिंकिंग और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच रहा है।

श्री बड़ौली ने ''जीरामजी'' योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मोदी सरकार ने रोजगार गारंटी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन किया है, जिससे श्रमिकों की वार्षिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण एवं उपस्थिति प्रणाली से फर्जी श्रमिकों, डुप्लीकेट जॉब कार्ड और फर्जी भुगतान पर रोक लगेगी।

वेतन एवं भत्तों का सीधा डिजिटल भुगतान (डीबीटी) होने से बिचौलियों, देरी और धन के दुरुपयोग की समस्या समाप्त होगी।

मोहन लाल बड़ौली ने कहाकि जियो-टैगिंग एवं सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से प्रत्येक परिसंपत्ति को आईएसआरओ के 'भुवन पोर्टल' पर अपलोड किया जाएगा, जिससे फर्जी परियोजनाओं की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

ब्लॉक एवं जिला स्तर पर बहुस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली के साथ 7-दिवसीय निपटान समय सीमा भी तय की गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ''वीबी-जीरामजी'' योजना को चार प्रमुख क्षेत्रों जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संसाधन और जलवायु संरक्षण में केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून उन वास्तविक श्रमिकों के लिए है, जिन्हें पूर्ववर्ती सरकारों ने वर्षों तक ठगा है।

मातृशक्ति उधमिता योजना के तहत ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बैकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के अंतर्गत हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने की योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत जिला पंचकूला के लिए 40 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए महिला विकास निगम की जिला प्रबंधक कमलेश कुमारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत जिन महिलाओं की पारिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है, जो हरियाणा की निवासी महिला उद्यमी हैं तथा ऋण के लिए आवेदन के समय जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच है, वे इस योजना के लिए पात्र होंगी।

उन्होंने बताया कि आवेदक पूर्व में लिए गए किसी भी ऋण का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के अंतर्गत समय पर किस्तों का भुगतान करने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत डेयरी, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियाँ शामिल हैं। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के अंतर्गत ऑटो रिक्शा, छोटे सामान ढोने के वाहन, थ्री-व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी तथा सामाजिक एवं व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के अंतर्गत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ व आचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट निर्माण, हैंडलूम, बैग निर्माण, कैंटीन सर्विस आदि शामिल हैं, जिनके माध्यम से महिलाएँ अपना स्वयं का कार्य शुरू कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए निगम के कार्यालय, जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा नं. 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला दूरभाष नंबरः 0172-2585271 पर संपर्क किया जा सकता है।

न्यूज डायरी

कांग्रेस के झूठ से जनता को आगाह करेगी भाजपा, वीबी जीरामजी पर जिला, मंडल स्तर पर सम्मेलन, चौपालों पर भी होंगे संवाद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वीबी-जीरामजी पर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से जनता को आगाह करने और वीबी जीरामजी से होने वाले फायदे बताने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक प्रोपर प्लान तैयार किया है। भाजपा ने प्रदेश, जिला, मंडल स्तर पर सम्मेलन करने का निर्णय किया है। इससे भी आगे जाकर पार्टी लोगों को योजना के लाभकारी बदलाव बताने के लिए शहर और गांवों की चौपालों पर संवाद करेगी।

मनरेगा के मुकाबले वीबी इस संबंध में भाजपा के मंत्री, सांसद, विधायक और समस्त पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को टास्क दे दिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने एक वर्चुअल बैठक कर मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों आदि तमाम नेताओं को इस संबंध में बता दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली और राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने वीबी जीरामजी की बारिकियों और होने वाले कार्यक्रमों से अवगत करा दिया है। मीडिया प्रभारी अरविंद के अनुसार तय किया गया कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले दिनों में जिला और मंडल स्तर पर सम्मेलन करेगी ताकि वीबी जीरामजी योजना से होने वाले लाभों को आम जनता तक पहुंचाया जा सके। योजना की एक -एक जानकारी देने के लिए शहर-गांव की चौपालों पर भी कार्यकर्ताओं को सम्मेलन करने के लिए बोला गया है।

वीबी जीरामजी पहले के मनरेगा से अनेक गुना बेहतर है, इसको बताने के लिए भाजपा ने 10 जनवरी तक प्रदेश, जिला स्तर पर प्रेस कांफ्रेंस करने का भी निर्णय लिया है। घर -घर पत्रक बांटे जाएंगे जिसमें वीबी जीरामजी की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस को केवल भ्रम फैलाने वाली पार्टी करार दिया, तो प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा ही नहीं बचा है, इसलिए वह केवल झूठ का सहारा लेती है। वर्चुअल बैठक में राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने वीबी जीरामजी योजना की बारिकियां बताई और इन बातों को जनता के बीच रखने की अपील की।

अरविंद सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को उजागर कर दिया है। भाजपा मीडिया प्रभारी के अनुसार 10 जनवरी तक भाजपा नेताओं द्वारा इस विषय पर जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

एमसीएम की छात्राओं ने फॉरेंसिक विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), चंडीगढ़ के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान फॉरेंसिक विज्ञान की दुनिया से समृद्ध एवं ज्ञानवर्धक परिचय प्राप्त किया। यह भ्रमण प्रयोगशाला के रेज़िंग डे के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसे कॉलेज की एनएसएस इकाइयों एवं वाडा क्लब द्वारा संयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्राओं को न्याय की स्थापना में फॉरेंसिक विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान छात्राओं को यह प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला कि फॉरेंसिक विज्ञान विशेष रूप से महिला सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा परियोजनाओं, साइबर अपराध जाँच तथा आतंकवाद की रोकथाम जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों और न्याय प्रणाली को सहयोग प्रदान करता है। सीएफएसएल के विशेषज्ञों ने छात्राओं को प्रयोगशाला के विभिन्न विशिष्ट विभागों का भ्रमण कराया तथा कारतूस, राइफल एवं साइबर तथा आपराधिक जाँच में प्रयुक्त अत्याधुनिक उपकरणों जैसे प्रदर्शनों की जानकारी दी।

वैज्ञानिकों ने वास्तविक जीवन पर आधारित विचारोत्तेजक केस स्टडी साझा कीं, जिनके माध्यम से फॉरेंसिक पद्धतियों—जैसे हस्ताक्षर जालसाजी तथा ऐसे अपराधों का पता लगाने और उन्हें सुलझाने की तकनीकों—की गहन समझ प्रदान की गई। इन संवादों से छात्राओं में फॉरेंसिक जाँच में निहित सटीकता, विशेषज्ञता एवं नैतिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित हुई।

यह भ्रमण अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, जिसने समाज की सुरक्षा एवं राष्ट्रीय संरक्षण सुनिश्चित करने में सीएफएसएल की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। महत्वपूर्ण और उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं पर कार्यरत वैज्ञानिकों से हुई बातचीत ने आज के जटिल विश्व में फॉरेंसिक सेवाओं की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के अनुभवात्मक अधिगम अवसर जागरूक, सामाजिक रूप से उत्तरदायी तथा करियर के प्रति सचेत विद्यार्थियों के निर्माण में अत्यंत सहायक होते हैं।

28 जनवरी से 12 फरवरी तक भीम स्टेडियम में होगी सैनिक भर्ती रैली: डीसी

हिन्द जनपथ
भिवानी(ब्यूरो)। डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सेना भर्ती को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में श्री गुप्ता ने बताया कि स्थानीय भीम स्टेडियम में 28 जनवरी से 12 फरवरी तक सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी द्वारा अग्निवीर के विभिन्न पदों की भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया को शांतिपूर्वक ढ़ंग से सम्पन्न करवाने के लिए भीम स्टेडियम के आस-पास पुलिस का सख्त पहरा होगा। किसी भी प्रकार की गैर कानूनी गतिविधि करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी।

डीसी श्री गुप्ता ने भर्ती प्रक्रिया के दौरान बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि भर्ती में शामिल होने वाले युवाओं को भीम स्टेडियम तक आने- जाने के लिए बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन तक बस सुविधा प्रदान की जाएगी। युवाओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। स्टेडियम में निर्बाध रूप से बिजली और पेयजल की आपूर्ति रहेगी। डीसी ने सफाई व्यवस्था के लिए नगर परिषद अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। वहीं दूसरी ओर सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी, निदेशक कर्नल के.संदीप ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में मुख्य रूप से जिला भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी से युवा भाग लेंगे। भर्ती प्रक्रिया में करीब 8800 युवा भाग लेंगे। इनमें करीब दो हजार युवा प्रदेशभर के अन्य विभिन्न जिलों के भी शामिल हैं।

जनस्वास्थ्य विभाग ने डीसी के सख्त आदेशों के चलते रोहतक रोड़ पर रातों-रात किया सीवरेज मेनहोल दुरूस्त

हिन्द जनपथ
भिवानी(ब्यूरो)। डीसी गुप्ता के सख्त आदेशों के चलते जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने रोहतक रोड़ पर सीवरेज मेनहोल को रातों-रात दुरुस्त करवाया। सीवरेज मेनहोल दुरूस्त होने से दुर्घटनाओं की आशंका कम हुई है।

उल्लेखनीय है कि एडवोकेट मुकेश गुलिया ने समाधान शिविर में डीसी के समक्ष रोहतक रोड़ पर सीवरेज मेनहोल के दुरूस्त ना होने व सीवरेज लाइन की सफाई न होने की समस्या रखी थी।

मनरेगा की रक्षा के संकल्प के साथ कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को अभियान की जिम्मेदारी सौंपी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को सशक्त एवं कारगर बनाने के लिए कांग्रेस ने रणनीति बनाकर मैदान में उतरने का फैसला लिया है। इसी प्रकरण के चलते कांग्रेस ने विभिन्न कांग्रेस पदाधिकारीयों की नियुक्तियां की ताकि इस अभियान को सफल बनाया जा सके। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को लेकर कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा के मूल स्वरूप में बदलाव करने की साजिश की है। उन्होंने कहा कि पहली बात तो मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम खत्म करके राष्ट्रपिता का अपमान किया है, वहीं इसके मूल स्वरूप में बदलाव करके यह एक ऐसी जटिल प्रक्रिया बना दी गई है जिससे ग्रामीण ,मजदूर, दलित, गरीब ,वंचित, महिला वर्ग को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा तरह-तरह के कानून लाकर,कांग्रेस द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं का नाम और स्वरूप बदल, अपनी तानाशाही मानसिकता को प्रदर्शित कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने के लिए संकल्पबद्ध है, और इसकी जागरूकता के लिए वह हर गांव, हर वार्ड, हर गली तक पहुंचेंगे और जागरूकता पैदा करेंगे। इसके लिए कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां की गई है। वही मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत की गई नियुक्तियों के बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने हाई कमान की दिशा निर्देशन में कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक टीम तैयार की है ,ताकि मनरेगा अभियान को सफल बनाया जाए, और सरकार को मनरेगा का नाम और स्वरूप बदलने से रोका जाए उन्होंने बताया कि

मनरेगा बचाओ संग्राम समन्वय समिति में नियुक्तियां की गई है उनके नाम इस प्रकार हैं

राव नरेंद्र सिंह — अध्यक्ष, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (HPCC), चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा — नेता, कांग्रेस विधायक दल (CLP), कुमारी सैलजा — सांसद एवं महासचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC), रणदीप सिंह सुरजेवाला — सांसद एवं महासचिव, AICC, दीपेंद्र सिंह हुड्डा — सांसद एवं सदस्य, कांग्रेस कार्यसमिति (CWC), जितेंद्र बघेल — सचिव, AICC एवं सह-प्रभारी, हरियाणा, प्रफुल्ला गुढ़ाडे — सचिव, AICC एवं सह-प्रभारी, हरियाणा, . बीरेंद्र सिंह — पूर्व अध्यक्ष, HPCC, धरमपाल सिंह मलिक — पूर्व अध्यक्ष, HPCC, डॉ. अशोक तंवर — पूर्व अध्यक्ष, HPCC, उदय भान — पूर्व अध्यक्ष, HPCC, जय प्रकाश — सांसद वरुण चौधरी — सांसद, सतपाल ब्रह्मचारी — सांसद, डॉ. रघुबीर कादियान — विधायक, अशोक अरोड़ा — विधायक, कुलदीप शर्मा — पूर्व विधानसभा अध्यक्ष

छात्रों का व्यक्तित्व निखारने में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की भूमिका महत्वपूर्ण : पंडित मोहन लाल

स्वदेशी संकल्प मातृभूमि के प्रति हमारा प्रेम और समर्पण है : बड़ौली

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) का मूल उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के साथ-साथ सेवा भाव को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई युवाओं में सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है। व्यक्तित्व को निखारने और भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में संवारने में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली पीएम श्री गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा "स्वयं से पहले आप" की भावना के साथ आयोजित "आत्मनिर्भर भारत" विशेष शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। यहां उन्होंने छात्राओं में सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सराहना की। इस मौके पर स्कूल प्रिंसिपल सुमन शर्मा सहित विद्यालय का स्टाफ, एनएसएस स्वयंसेविकाएँ एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्राथमिक उद्देश्य ही सेवा के माध्यम से शिक्षा है। उन्होंने समाज सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रेरणादायक विचार साझा किए। श्री बड़ौली ने छात्राओं का उत्साहवर्धन भी किया। श्री बड़ौली ने छात्राओं से स्वदेशी अपनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने का आग्रह किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाकर ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि देश में बने उत्पादों को बढ़ावा देंगे तब हमारे उद्योग सशक्त होंगे और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। श्री बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज गांव-गांव तक डिजिटल क्रांति पहुंची है। पूरी दुनिया में भारत का गर्व बढ़ा रहा है। पहले हम तकनीक आयात करते थे, आज दुनिया भारत से सीख रही है, यह आत्मनिर्भर भारत का नया चेहरा है।

श्री बड़ौली ने कहा कि भारत नए आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। आज हम स्वदेशी संकल्प की ताकत के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्वदेशी संकल्प हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सभी को इस संकल्प को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। श्री बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी संकल्प केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि के प्रति हमारा प्रेम और समर्पण है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने सोनीपत से सालासर धाम जाने वाली बस को दिखाई हरी झंडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत से सालासर धाम जाने वाली बस को हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को रवाना किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनआस्था, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। श्री बड़ौली ने कहा कि इस पावन यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा का अवसर प्रदान किया गया है।

उपायुक्त ने जनगणना 2027 को लेकर आयोजित बैठक की करी अध्यक्षता

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज जिला सचिवालय के सभागार में जनगणना 2027 को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि भारत के महा रजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश में जनगणना 2027 हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है।

जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा से श्री धीरज कुमार जौहर ने देश में होने वाली पहली डिजिटल जनगणना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जनगणना 2027 से संबंधित मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

बैठक में जनगणना निगरानी और प्रबंधन प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल द्वारा जनगणना कार्य की प्रगति व प्रबंधन के कार्य का विवरण, स्व-गणना संबंधित पोर्टल की जानकारी, 31 दिसंबर 2025 तक क्षेत्राधिकार परिवर्तनों को अंतिम रूप देना, सीमाओं को स्थिर करने की अधिसूचना जारी करना, फील्ड पदाधिकारियों की नियुक्ति व झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों की पहचान और विशेष प्रभारों का विवरण और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित नोडल अधिकारी एवं चार्ज अधिकारियों को उक्त बिंदुओं व भारत की जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आगामी जनगणना 2027 के लिए जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा को पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा से श्री धीरज कुमार जौहर, उप निदेशक व जिला जनगणना प्रभारी श्रीमती मधु, नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, तहसीलदार पंचकूला सुरेश कुमार, तहसीलदार रायुपररानी विक्रम सिंगला, तहसीलदार कालका विवेक गोयल, जिला शिक्षा अधिकारी संध्या मलिक, नायब तहसीलदार हरदेव, बीडीपीओ विनय प्रताप और परमनंदन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

16 वर्षीय गीतांजलि ने जीता "फॉरएवर मिस टीन चंडीगढ़ 2025" का खिताब

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ की 16 वर्षीय गीतांजलि ने एक ब्यूटी पैजेंट में टाइटल विनर का खिताब जीत न केवल अपने परिवार का बल्कि अपने स्कूल और चंडीगढ़ शहर का भी नाम रोशन किया है। सिंगल माँ की संतान गीतांजलि ने इस छोटी उम्र में ही खिताब जीत भविष्य की ऊंचाइयों की तरफ कदम बढ़ा दिया है।

सेंट जोसेफ स्कूल की छात्रा 16 वर्षीय गीतांजलि ने बताया कि उनके पिता जी का 10 वर्ष पूर्व निधन हो गया था। उनकी माँ शैली ने सिंगल मदर होते हुए उसे और उसकी छोटी बहन के पालन पोषण में कोई कसर नही छोड़ी। उन्होंने उन दोंनो की अच्छी पढ़ाई और उनके सपनों को पूरा करने में दिन रात एक किए हैं। उसके मॉडलिंग की तरफ बढ़ते पैशन को देखते हुए उनकी माँ ने भरपूर सहयोग दिया। उनके मम्मी की स्पोर्ट से वो इस मुकाम को हासिल कर सकी।

गीतांजलि ने बताया कि जयपुर में आयोजित फॉरएवर मिस टीन 2025 ब्यूटी पैजेंट के फाइनल में देश भर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। फाइनल तीन में जब उन्हें चुना गया और जब टाइटल विनर घोषित किया गया तो वो अचंभित रह गई। एक पल तो वो यकीन ही नही कर पाई। जब उन्हें क्राउन पहनाया गया, तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नही रहा।

ब्यूटी पैजेंट के सभी राउंड उन्होंने बड़े ही अच्छे से पार किए और ज्यूरी द्वारा पूछे गए सवालों का भी सूझबूझ से जवाब दिया। जिसकी बदौलत वो पैजेंट में टाइटल विनर का खिताब जीत सकी।

जींद-सोनीपत के बीच चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में जल्द ही देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की सीटी बजने वाली है। उत्तर रेलवे द्वारा जींद और सोनीपत के बीच चलाई जाने वाली इस ट्रेन को लेकर तैयारियों को अन्तिम रूप दिया जा चुका है। इस ट्रेन को ईंधन आपूर्ति के लिए जींद में स्थापित किए गए हाइड्रोजन प्लांट को अंतिम कमीशनिंग एवं नियमित संचालन के दौरान स्थिर और निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा आज इस सम्बन्ध में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के अधिकारियों के साथ हाइब्रिड मोड में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्लांट की वर्तमान विद्युत आपूर्ति स्थिति, बैक-अप व्यवस्थाओं और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि महत्वाकांक्षी इस परियोजना के लिए भविष्य में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए बिजली आपूर्ति प्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए तथा वैकल्पिक व्यवस्था और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को भी सुदृढ़ रखा जाए।

बैठक में अवगत कराया गया कि इस हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के लिए जीन्द में 3000 किलोग्राम भंडारण क्षमता का देश का सबसे बड़ा हाइड्रोजन प्लांट स्थापित किया गया है, जो अब कमीशनिंग के अंतिम चरण में है। चूंकि यह प्लांट 24×7 आधार पर संचालित होगा, इसलिए निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है।

ड्रग फ्री हरियाणा अभियान का हुआ समापन

हिन्द जनपथ
भिवानी (ब्यूरो)। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार की अध्यक्षता में ड्रग फ्री हरियाणा अभियान का समापन हुआ। अभियान के अंतर्गत जिले भर में एक माह तक व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और इस दौरान स्कूलों, कॉलेजों और आमजन तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया गया। इस अभियान का आज विधिवत समापन किया गया।

अभियान के बारे में जानकारी देते हुए सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि नशे के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाने और युवाओं को सही दिशा देने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के दौरान स्कूलों, कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों, स्लम बस्तियों और ग्राम सभाओं व स्टेडियम के खिलाड़ियों तक नशामुक्ति का संदेश पहुँचाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में वर्कशॉप, मोटिवेशनल टॉक्स और शॉर्ट फिल्मों की स्क्रीनिंग करवाई गई। विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों, कानूनी पहलुओं और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कॉलेज परिसरों में एवेयरनेस स्टॉल लगाए गए, जहाँ छात्रों को जानकारीपूर्ण पम्पलेट वितरित किए गए तथा विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग सेशन्स आयोजित किए गए।

सीजेएम ने बताया कि युवाओं को जागरूक करने के लिए क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह के साथ-साथ नशामुक्ति के प्रति समझ विकसित हो सके। मोटिवेशनल शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से वास्तविक जीवन की कहानियों को प्रस्तुत कर नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत आमजन को जोडऩे के लिए ग्राम सभाओं में शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें ग्रामीणों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। स्लम बस्तियों में पम्पलेट वितरण कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया, जहाँ लोगों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ नशे के कारण होने वाली बीमारियों के बारे में भी जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। अभियान के दौरान एंटी ड्रग स्टेकहोल्डर्स के साथ विशेष वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें प्रशासन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भाग लिया। इस वर्कशॉप में नशा रोकथाम के लिए सामूहिक रणनीतियों पर चर्चा की गई और भविष्य में समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोडऩे के लिए रन फॉर ड्रग फ्री जैसे स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन किया गया। इस दौड़ में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों और आम नागरिकों ने भाग लिया और नशामुक्त समाज का संदेश दिया। खेल गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली ही नशे का सबसे बड़ा विकल्प का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सीजेएम पवन कुमार ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और आमजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिससे लड़ाई केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, शिक्षा और सामूहिक प्रयासों से जीती जा सकती है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण आगे भी इस दिशा में निरंतर प्रयास करता रहेगा।